आपका ब्रांड यहाँ
आपका नाम, लोगो, रंग और संपर्क विवरण यहाँ छपते हैं



शास्त्रीय कुण्डली रिपोर्ट बंडल

नमूना रिपोर्ट

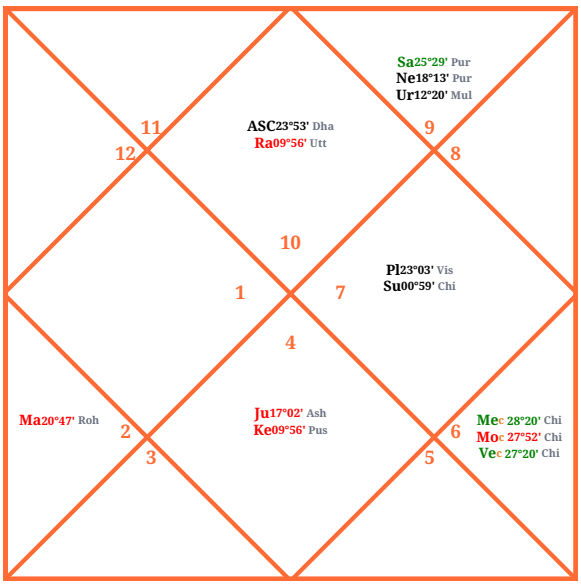
दिनांक और समय	1990-10-18T14:30:00
समय क्षेत्र	Asia/Kolkata
अक्षांश	28.6139
देशांतर	77.209
बंडल	Large
तैयार	2026-11-08
भाषा	hi

प्रकृति
शास्त्रीय पाठ-आधारित फलादेश: योग, ग्रह फल, रत्न और रुद्राक्ष संबंधी पाठ इस कुण्डली के लिए शास्त्रीय परंपरा से उद्धृत हैं। इनमें आयु, रोग या उपचार संबंधी कथन चिकित्सीय सलाह नहीं हैं और न ही आयु या स्वास्थ्य की भविष्यवाणी हैं।

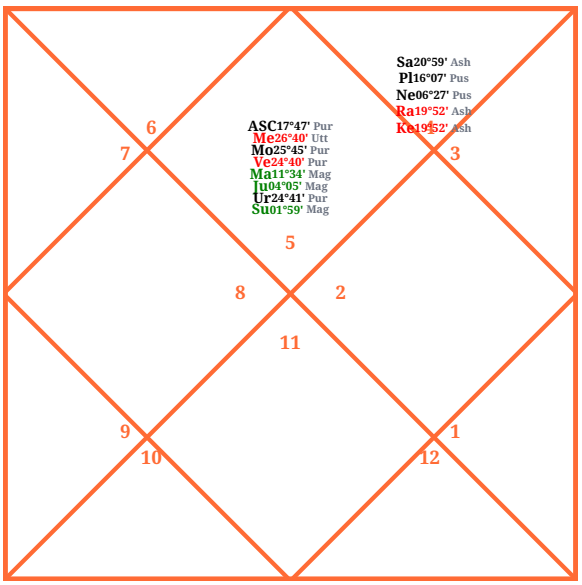
विषय-सूची

कुण्डलियाँ 3
जन्म विवरण 6
ग्रह 8
मैत्री 9
विंशोत्तरी दशा 10
भाव सन्धियाँ 14
KP ग्रह 14
KP भाव सन्धियाँ 15
मांगलिक 16
कालसर्प 17
साढ़े साती 17
अष्टकवर्ग 18
योगिनी दशा 20
चर दशा 29
ग्रह रिपोर्ट 35
अनुकूल बिंदु 37
लग्न वाचन 38
रत्न 39
रुद्राक्ष 43
योग 49
ग्रह फल 58

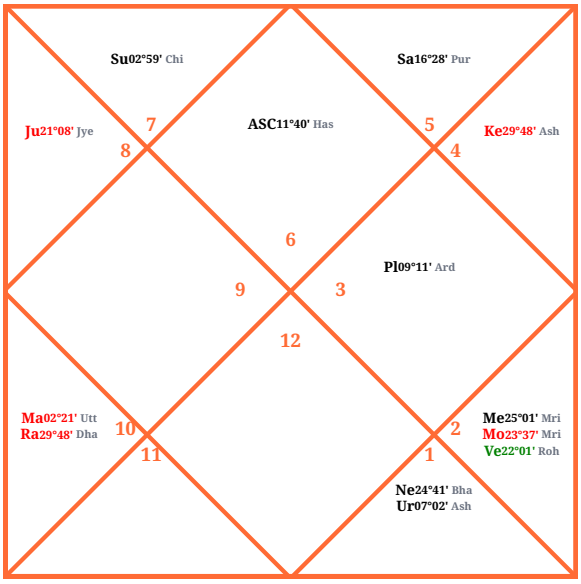
कुण्डलियाँ



जन्म कुंडली (D1)



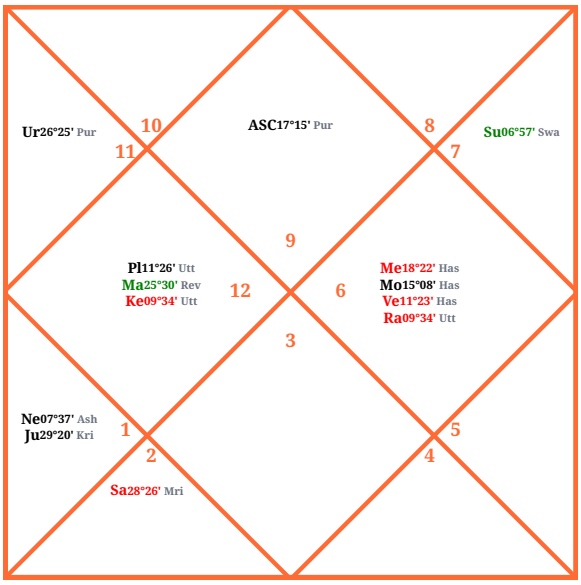
होरा (D2)



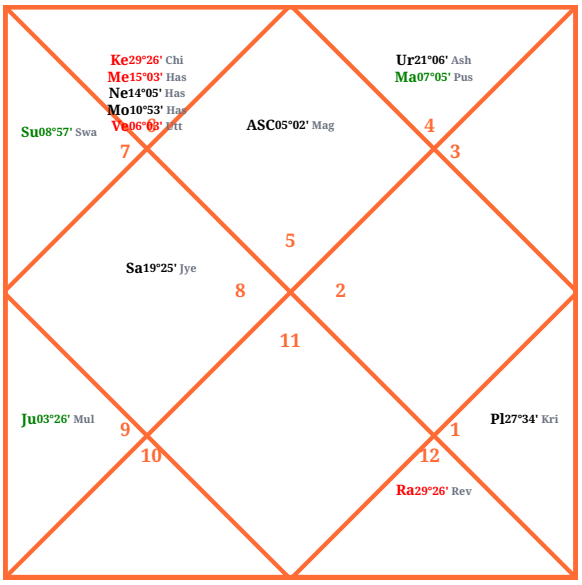
द्रेष्काण (D3)



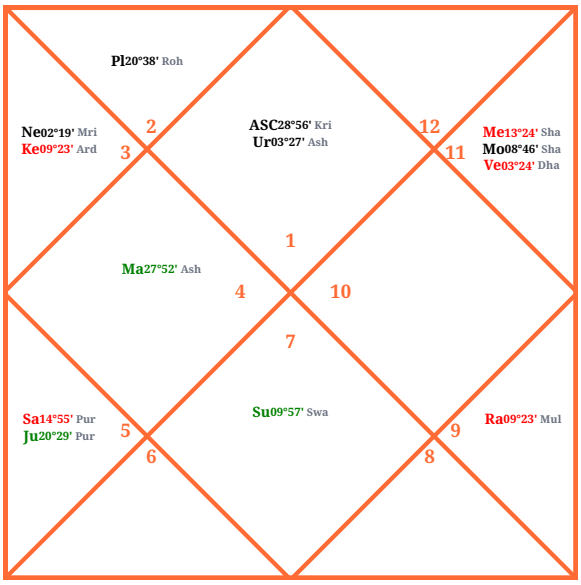
चतुर्थांश (D4)



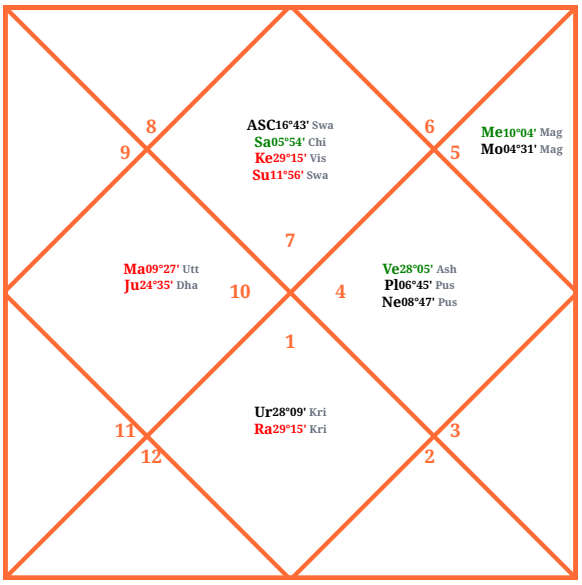
सप्तांश (D7)



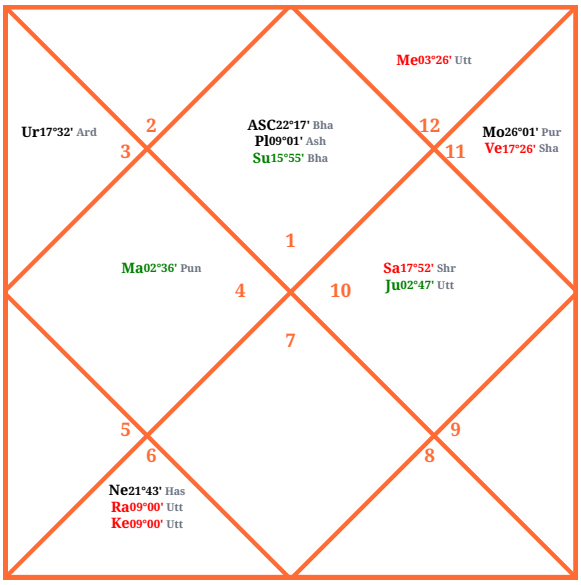
नवांश (D9)



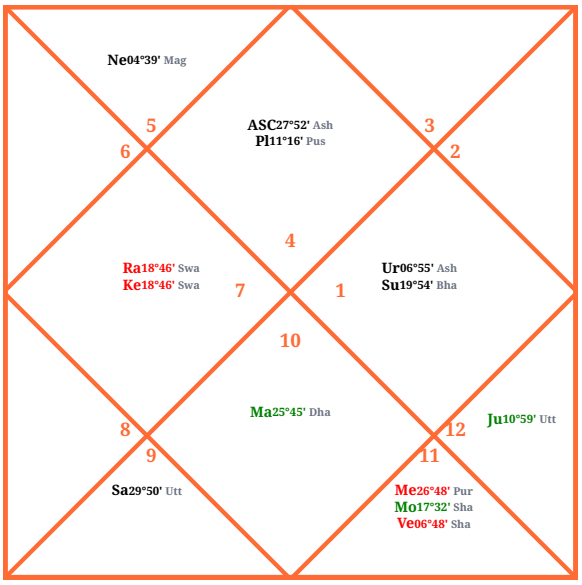
दशमांश (D10)



द्वादशांश (D12)



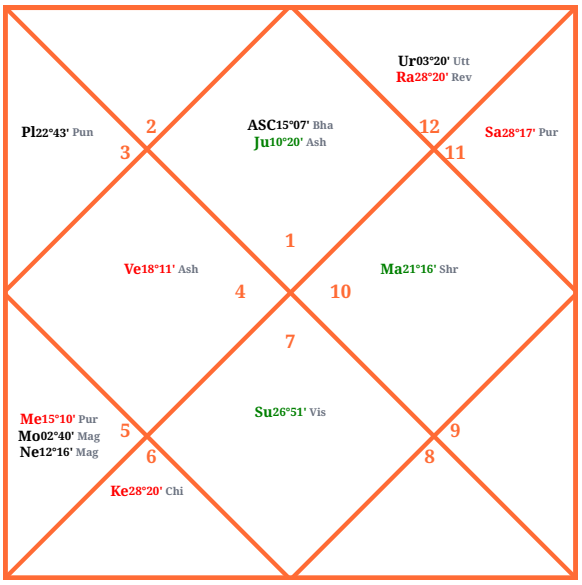
षोडशांश (D16)



विंशांश (D20)



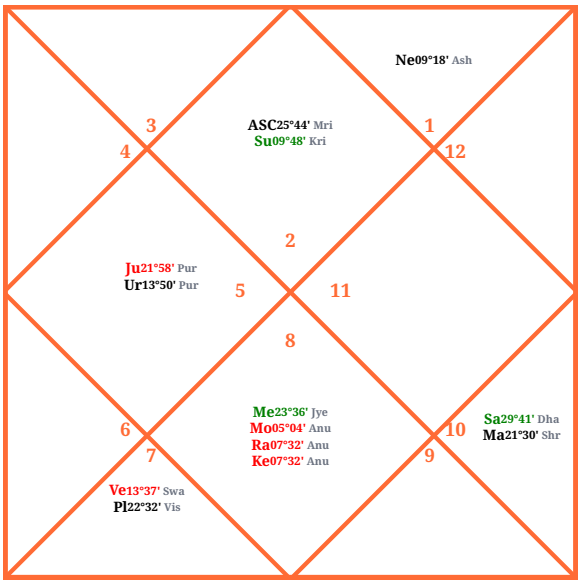
चतुर्विंशांश (D24)



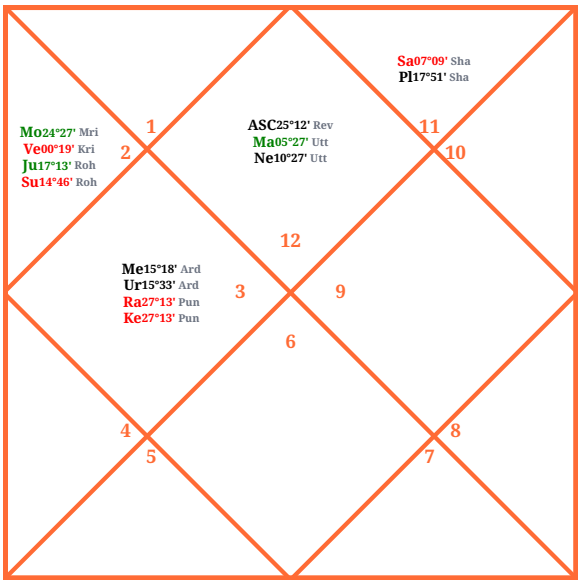
सप्तविंशांश (D27)



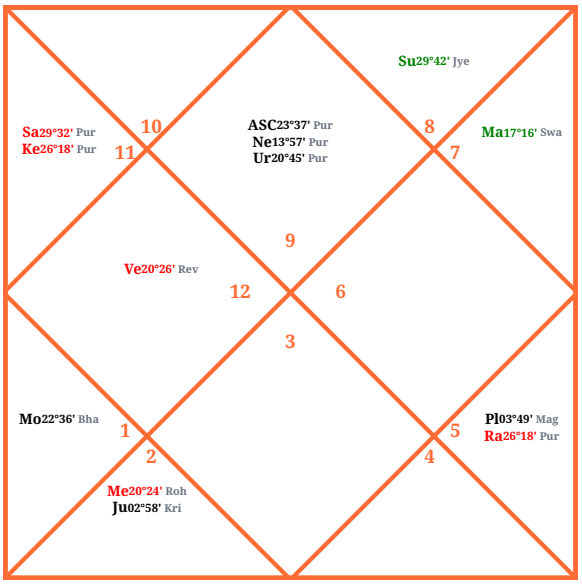
त्रिंशांश (D30)



खवेदांश (D40)



अक्षवेदांश (D45)



षष्ट्यंश (D60)

बंडल	Large

जन्म विवरण

अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाम	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285

लग्न

राशि	मकर
राशिश	शनि

नक्षत्र	धनिष्ठा
पद	1

चंद्र

राशि	कन्या
राशिश	बुध
नक्षत्र	चित्रा
नक्षत्र स्वामी	मंगल
पद	2

सूर्य राशि · निरयण	तुला
सूर्य राशि · सायन	तुला

अवकहड़ा

वर्ण	वैश्य
वश्य	Manava
योनि	बाघ
गण	राक्षस
नाड़ी	मध्य
राशि स्वामी	बुध
पाया	Silver
तत्त्व	Prithvi
तत्व	पृथ्वी
युंज	अन्त्य
वर्ग	Mouse
हंसक	Prithvi
नाम अक्षर	Po

जन्म के समय पंचांग · तिथि	अमावस्या
जन्म के समय पंचांग · योग	वैधृति
जन्म के समय पंचांग · करण	Naga

सूर्योदय के समय पंचांग

तिथि	अमावस्या
पक्ष	Krishna
नक्षत्र	चित्रा
योग	वैधृति
करण	Chatushpada

अंग समाप्ति समय

तिथि	21:06
नक्षत्र	07:40
योग	16:31
करण	21:06

सूर्योदय	06:23:52
सूर्यास्त	17:49:12

ग्रह

अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाम	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285
नोड	True
भाव प्रणाली	Whole sign

लग्न

राशि	मकर
राशि संख्या	10
राशिश	शनि
अंश	23.8935
अंश DMS	23-53-37
देशांतर	293.8935
नक्षत्र	धनिष्ठा
नक्षत्र संख्या	23
नक्षत्र स्वामी	मंगल
पद	1

ग्रह

नाम	राशि	राशि संख्या	राशिश	अंश	अंश DMS	देशांतर	नक्षत्र
सूर्य	तुला	7	शुक्र	0.9951	00-59-42	180.9951	चित्रा
चंद्र	कन्या	6	बुध	27.8766	27-52-36	177.8766	चित्रा
मंगल	वृषभ	2	शुक्र	20.7877	20-47-16	50.7877	रोहिणी
बुध	कन्या	6	बुध	28.34	28-20-24	178.34	चित्रा
गुरु	कर्क	4	चंद्र	17.0493	17-02-58	107.0493	आश्लेषा
शुक्र	कन्या	6	बुध	27.3406	27-20-26	177.3406	चित्रा
शनि	धनु	9	गुरु	25.4923	25-29-32	265.4923	पूर्वाषाढ़ा
राहु	मकर	10	शनि	9.9384	09-56-18	279.9384	उत्तराषाढ़ा
केतु	कर्क	4	चंद्र	9.9384	09-56-18	99.9384	पुष्य
अरुण	धनु	9	गुरु	12.3459	12-20-45	252.3459	मूल
वरुण	धनु	9	गुरु	18.2324	18-13-57	258.2324	पूर्वाषाढ़ा
यम	तुला	7	शुक्र	23.0635	23-03-49	203.0635	विशाखा

नाम	नक्षत्र संख्या	नक्षत्र स्वामी	पद	भाव	गति	वक्री	अस्त
सूर्य	14	मंगल	3	10	0.993145	नहीं	नहीं
चंद्र	14	मंगल	2	9	12.335806	नहीं	हाँ
मंगल	4	चंद्र	4	5	0.035376	नहीं	नहीं
बुध	14	मंगल	2	9	1.710469	नहीं	हाँ
गुरु	9	बुध	1	7	0.12405	नहीं	नहीं

नाम	नक्षत्र संख्या	नक्षत्र स्वामी	पद	भाव	गति	वक्री	अस्त
शुक्र	14	मंगल	2	9	1.25186	नहीं	हाँ
शनि	20	शुक्र	4	12	0.040927	नहीं	नहीं
राहु	21	सूर्य	4	1	-0.226596	हाँ	नहीं
केतु	8	शनि	2	7	-0.226596	हाँ	नहीं
अरुण	19	केतु	4	12	0.027975	नहीं	नहीं
वरुण	20	शुक्र	2	12	0.013483	नहीं	नहीं
यम	16	गुरु	1	10	0.03801	नहीं	नहीं

मैत्री

अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाम	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285

संबंध

	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: Intimate	नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: सम	नैसर्गिक: सम; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: मित्र	नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: Intimate	नैसर्गिक: शत्रु; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: सम	नैसर्गिक: शत्रु; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: सम
चंद्र		नैसर्गिक: सम; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: शत्रु	नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: सम	नैसर्गिक: सम; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: मित्र	नैसर्गिक: सम; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: शत्रु	नैसर्गिक: सम; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: मित्र
मंगल	नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: सम		नैसर्गिक: शत्रु; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: Bitter	नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: Intimate	नैसर्गिक: सम; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: शत्रु	नैसर्गिक: सम; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: शत्रु
बुध	नैसर्गिक: शत्रु; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: Bitter	नैसर्गिक: सम; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: शत्रु		नैसर्गिक: सम; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: मित्र	नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: सम	नैसर्गिक: सम; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: मित्र
गुरु	नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: Intimate	नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: Intimate	नैसर्गिक: शत्रु; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: सम		नैसर्गिक: शत्रु; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: सम	नैसर्गिक: सम; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: शत्रु
शुक्र	नैसर्गिक: शत्रु; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: Bitter	नैसर्गिक: सम; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: शत्रु	नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: सम	नैसर्गिक: सम; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: मित्र		नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: Intimate
शनि	नैसर्गिक: शत्रु; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: सम	नैसर्गिक: शत्रु; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: Bitter	नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: Intimate	नैसर्गिक: सम; अस्थायी: शत्रु; संयुक्त: शत्रु	नैसर्गिक: मित्र; अस्थायी: मित्र; संयुक्त: Intimate	

चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि

विंशोत्तरी दशा

अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाम	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285
चंद्र नक्षत्र · नाम	चित्रा
चंद्र नक्षत्र · पद	2
चंद्र नक्षत्र · स्वामी	मंगल

जन्म के समय शेष

स्वामी	मंगल
वर्ष	4
महीने	7
दिन	11

वर्तमान

की तिथि के अनुसार	2026-11-08
महादशा · स्वामी	गुरु
महादशा · प्रारंभ	2013-05-30
महादशा · अंत	2029-05-30
अंतर्दशा · स्वामी	मंगल
अंतर्दशा · प्रारंभ	2026-01-28
अंतर्दशा · अंत	2027-01-04
प्रत्यन्तर दशा · स्वामी	शुक्र
प्रत्यन्तर दशा · प्रारंभ	2026-09-23
प्रत्यन्तर दशा · अंत	2026-11-19

स्वामियों की तारा

सूर्य	Janma
चंद्र	Janma
मंगल	Parama Mitra
बुध	Janma
गुरु	Pratyak
शुक्र	Janma
शनि	Vadha
राहु	Mitra
केतु	Kshema

महादशाएँ

मंगल

प्रारंभ	1990-10-18
अंत	1995-05-31

अन्तर्दशाएँ

स्वामी	प्रारंभ	अंत
गुरु	1990-10-18	1990-10-20
शनि	1990-10-20	1991-11-29
बुध	1991-11-29	1992-11-25
केतु	1992-11-25	1993-04-23
शुक्र	1993-04-23	1994-06-23
सूर्य	1994-06-23	1994-10-29
चंद्र	1994-10-29	1995-05-31

राहु

प्रारंभ	1995-05-31
अंत	2013-05-30

अन्तर्दशाएँ

स्वामी	प्रारंभ	अंत
राहु	1995-05-31	1998-02-10
गुरु	1998-02-10	2000-07-06
शनि	2000-07-06	2003-05-13
बुध	2003-05-13	2005-11-29
केतु	2005-11-29	2006-12-18
शुक्र	2006-12-18	2009-12-18
सूर्य	2009-12-18	2010-11-12
चंद्र	2010-11-12	2012-05-13
मंगल	2012-05-13	2013-05-30

गुरु

प्रारंभ	2013-05-30
अंत	2029-05-30

अन्तर्दशाएँ

स्वामी	प्रारंभ	अंत
गुरु	2013-05-30	2015-07-18
शनि	2015-07-18	2018-01-28
बुध	2018-01-28	2020-05-05
केतु	2020-05-05	2021-04-11
शुक्र	2021-04-11	2023-12-11
सूर्य	2023-12-11	2024-09-28
चंद्र	2024-09-28	2026-01-28
मंगल	2026-01-28	2027-01-04
राहु	2027-01-04	2029-05-30

शनि

प्रारंभ	2029-05-30
अंत	2048-05-30

अन्तर्दशाएँ

स्वामी	प्रारंभ	अंत
शनि	2029-05-30	2032-06-02
बुध	2032-06-02	2035-02-10
केतु	2035-02-10	2036-03-21
शुक्र	2036-03-21	2039-05-22
सूर्य	2039-05-22	2040-05-03
चंद्र	2040-05-03	2041-12-02
मंगल	2041-12-02	2043-01-11
राहु	2043-01-11	2045-11-17
गुरु	2045-11-17	2048-05-30

बुध

प्रारंभ	2048-05-30
अंत	2065-05-30

अन्तर्दशाएँ

स्वामी	प्रारंभ	अंत
बुध	2048-05-30	2050-10-27
केतु	2050-10-27	2051-10-24
शुक्र	2051-10-24	2054-08-24
सूर्य	2054-08-24	2055-06-30
चंद्र	2055-06-30	2056-11-28
मंगल	2056-11-28	2057-11-25
राहु	2057-11-25	2060-06-13
गुरु	2060-06-13	2062-09-19
शनि	2062-09-19	2065-05-30

केतु

प्रारंभ	2065-05-30
अंत	2072-05-30

अन्तर्दशाएँ

स्वामी	प्रारंभ	अंत
केतु	2065-05-30	2065-10-26
शुक्र	2065-10-26	2066-12-26
सूर्य	2066-12-26	2067-05-03
चंद्र	2067-05-03	2067-12-02
मंगल	2067-12-02	2068-04-29
राहु	2068-04-29	2069-05-18
गुरु	2069-05-18	2070-04-24
शनि	2070-04-24	2071-06-03
बुध	2071-06-03	2072-05-30

शुक्र

प्रारंभ	2072-05-30
अंत	2092-05-30

अन्तर्दशाएँ

स्वामी	प्रारंभ	अंत
शुक्र	2072-05-30	2075-09-30
सूर्य	2075-09-30	2076-09-29
चंद्र	2076-09-29	2078-05-31
मंगल	2078-05-31	2079-07-31
राहु	2079-07-31	2082-07-31
गुरु	2082-07-31	2085-03-31
शनि	2085-03-31	2088-05-31
बुध	2088-05-31	2091-04-01
केतु	2091-04-01	2092-05-30

सूर्य

प्रारंभ	2092-05-30
अंत	2098-05-31

अन्तर्दशाएँ

स्वामी	प्रारंभ	अंत
सूर्य	2092-05-30	2092-09-17
चंद्र	2092-09-17	2093-03-19
मंगल	2093-03-19	2093-07-25
राहु	2093-07-25	2094-06-19
गुरु	2094-06-19	2095-04-07
शनि	2095-04-07	2096-03-19
बुध	2096-03-19	2097-01-23
केतु	2097-01-23	2097-05-31
शुक्र	2097-05-31	2098-05-31

चंद्र

प्रारंभ	2098-05-31
अंत	2108-05-31

अन्तर्दशाएँ

स्वामी	प्रारंभ	अंत
चंद्र	2098-05-31	2099-03-31
मंगल	2099-03-31	2099-10-30
राहु	2099-10-30	2101-05-01
गुरु	2101-05-01	2102-08-31
शनि	2102-08-31	2104-03-31
बुध	2104-03-31	2105-08-30
केतु	2105-08-30	2106-03-31
शुक्र	2106-03-31	2107-11-30
सूर्य	2107-11-30	2108-05-31

भाव सन्धियाँ

अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाम	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285
भाव प्रणाली	Sripati

भाव

भाव	प्रारंभ	मध्य	अंत	ग्रह
1	देशांतर: 281.11; राशि: मकर; अंश: 11.11	देशांतर: 293.89; राशि: मकर; अंश: 23.89	देशांतर: 311.11; राशि: कुम्भ; अंश: 11.11	—
2	देशांतर: 311.11; राशि: कुम्भ; अंश: 11.11	देशांतर: 328.33; राशि: कुम्भ; अंश: 28.33	देशांतर: 345.55; राशि: मीन; अंश: 15.55	—
3	देशांतर: 345.55; राशि: मीन; अंश: 15.55	देशांतर: 2.77; राशि: मेष; अंश: 2.77	देशांतर: 19.99; राशि: मेष; अंश: 19.99	—
4	देशांतर: 19.99; राशि: मेष; अंश: 19.99	देशांतर: 37.21; राशि: वृषभ; अंश: 7.21	देशांतर: 49.99; राशि: वृषभ; अंश: 19.99	—
5	देशांतर: 49.99; राशि: वृषभ; अंश: 19.99	देशांतर: 62.77; राशि: मिथुन; अंश: 2.77	देशांतर: 75.55; राशि: मिथुन; अंश: 15.55	मंगल
6	देशांतर: 75.55; राशि: मिथुन; अंश: 15.55	देशांतर: 88.33; राशि: मिथुन; अंश: 28.33	देशांतर: 101.11; राशि: कर्क; अंश: 11.11	केतु
7	देशांतर: 101.11; राशि: कर्क; अंश: 11.11	देशांतर: 113.89; राशि: कर्क; अंश: 23.89	देशांतर: 131.11; राशि: सिंह; अंश: 11.11	गुरु
8	देशांतर: 131.11; राशि: सिंह; अंश: 11.11	देशांतर: 148.33; राशि: सिंह; अंश: 28.33	देशांतर: 165.55; राशि: कन्या; अंश: 15.55	—
9	देशांतर: 165.55; राशि: कन्या; अंश: 15.55	देशांतर: 182.77; राशि: तुला; अंश: 2.77	देशांतर: 199.99; राशि: तुला; अंश: 19.99	सूर्य, चंद्र, बुध, शुक्र
10	देशांतर: 199.99; राशि: तुला; अंश: 19.99	देशांतर: 217.21; राशि: वृश्चिक; अंश: 7.21	देशांतर: 229.99; राशि: वृश्चिक; अंश: 19.99	यम
11	देशांतर: 229.99; राशि: वृश्चिक; अंश: 19.99	देशांतर: 242.77; राशि: धनु; अंश: 2.77	देशांतर: 255.55; राशि: धनु; अंश: 15.55	अरुण
12	देशांतर: 255.55; राशि: धनु; अंश: 15.55	देशांतर: 268.33; राशि: धनु; अंश: 28.33	देशांतर: 281.11; राशि: मकर; अंश: 11.11	शनि, राहु, वरुण

ग्रह

नाम	राशि	राशि भाव	भाव
सूर्य	तुला	10	9
चंद्र	कन्या	9	9
मंगल	वृषभ	5	5
बुध	कन्या	9	9
गुरु	कर्क	7	7
शुक्र	कन्या	9	9
शनि	धनु	12	12
राहु	मकर	1	12
केतु	कर्क	7	6
अरुण	धनु	12	11
वरुण	धनु	12	12
यम	तुला	10	10

KP ग्रह

अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाम	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285

भाव प्रणाली	Placidus

ग्रह

नाम	देशांतर	राशि	अंश	नक्षत्र स्वामी	उप स्वामी	उप-उप स्वामी	नक्षत्र
सूर्य	180.995	तुला	0.995	मंगल	बुध	मंगल	चित्रा
चंद्र	177.8767	कन्या	27.8767	मंगल	गुरु	राहु	चित्रा
मंगल	50.7878	वृषभ	20.7878	चंद्र	शुक्र	शुक्र	रोहिणी
बुध	178.34	कन्या	28.34	मंगल	शनि	बुध	चित्रा
गुरु	107.0494	कर्क	17.0494	बुध	बुध	शुक्र	आश्लेषा
शुक्र	177.3406	कन्या	27.3406	मंगल	गुरु	सूर्य	चित्रा
शनि	265.4922	धनु	25.4922	शुक्र	बुध	गुरु	पूर्वाषाढ़ा
राहु	279.9383	मकर	9.9383	सूर्य	शुक्र	केतु	उत्तराषाढ़ा
केतु	99.9383	कर्क	9.9383	शनि	शुक्र	बुध	पुष्य
अरुण	252.3458	धनु	12.3458	केतु	—	—	मूल
वरुण	258.2325	धनु	18.2325	शुक्र	—	—	पूर्वाषाढ़ा
यम	203.0636	तुला	23.0636	गुरु	—	—	विशाखा

नाम	पद	वक्री	भाव
सूर्य	3	नहीं	8
चंद्र	2	नहीं	8
मंगल	4	नहीं	4
बुध	2	नहीं	8
गुरु	1	नहीं	6
शुक्र	2	नहीं	8
शनि	4	नहीं	12
राहु	4	हाँ	12
केतु	2	हाँ	6
अरुण	4	नहीं	11
वरुण	2	नहीं	11
यम	1	नहीं	9

KP भाव सन्धियाँ

अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाम	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285
भाव प्रणाली	Placidus

भाव सन्धियाँ

भाव	देशांतर	राशि	अंश	नक्षत्र स्वामी	उप स्वामी	उप-उप स्वामी	उप स्वामी समूह
1	293.8935	मकर	23.8935	मंगल	मंगल	शुक्र	मंगल, सूर्य, चंद्र, बुध, शुक्र, राहु
2	334.7194	मीन	4.7194	शनि	शनि	चंद्र	शनि, सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, शुक्र
3	9.6406	मेष	9.6406	केतु	शनि	शनि	शनि, सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, शुक्र
4	37.2129	वृषभ	7.2129	सूर्य	केतु	सूर्य	केतु, गुरु, सूर्य, मंगल, शनि, राहु, शुक्र

भाव	देशांतर	राशि	अंश	नक्षत्र स्वामी	उप स्वामी	उप-उप स्वामी	उप स्वामी समूह
5	61.004	मिथुन	1.004	मंगल	बुध	मंगल	बुध, चंद्र, शुक्र, मंगल, गुरु, शनि, राहु
6	84.9724	मिथुन	24.9724	गुरु	बुध	राहु	बुध, चंद्र, शुक्र, मंगल, गुरु, शनि, राहु
7	113.8935	कर्क	23.8935	बुध	मंगल	शुक्र	मंगल, सूर्य, चंद्र, बुध, शुक्र, राहु
8	154.7194	कन्या	4.7194	सूर्य	शनि	राहु	शनि, सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, शुक्र
9	189.6406	तुला	9.6406	राहु	गुरु	शुक्र	गुरु, केतु, सूर्य, मंगल, शनि, राहु, बुध
10	217.2129	वृश्चिक	7.2129	शनि	बुध	शनि	बुध, चंद्र, शुक्र, मंगल, गुरु, शनि, राहु
11	241.004	धनु	1.004	केतु	शुक्र	शुक्र	शुक्र, चंद्र, बुध, मंगल, गुरु, शनि, राहु
12	264.9724	धनु	24.9724	शुक्र	बुध	मंगल	बुध, चंद्र, शुक्र, मंगल, गुरु, शनि, राहु

मांगलिक

अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाम	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285
मांगलिक	नहीं
संख्या	0
प्रतिशत	0
बल	No Manglik

से

	सन्दर्भ राशि	मंगल राशि	मंगल भाव	मांगलिक	दोष भाव
लग्न	मकर	वृषभ	5	नहीं	1, 2, 4, 7, 8, 12
चंद्र	कन्या	वृषभ	9	नहीं	1, 2, 4, 7, 8, 12
शुक्र	कन्या	वृषभ	9	नहीं	1, 2, 4, 7, 8, 12

स्पष्टीकरण

नियम

मंगल 1ला, 2रा, 4था, 7वाँ, 8वाँ या 12वाँ भाव में, लग्न, चंद्रमा और शुक्र से अलग-अलग गिना गया; जिन भी संदर्भों में यह स्थिति बनती है, वे गिने जाते हैं, और निष्कर्ष यह है कि ऐसे संदर्भ कितने हैं।

निर्णायक

लग्न · मंगल भाव	5
लग्न · मांगलिक	नहीं
लग्न · सन्दर्भ राशि	मकर
चंद्र · मंगल भाव	9
चंद्र · मांगलिक	नहीं
चंद्र · सन्दर्भ राशि	कन्या
शुक्र · मंगल भाव	9
शुक्र · मांगलिक	नहीं
शुक्र · सन्दर्भ राशि	कन्या
संख्या	0
मांगलिक	नहीं

परंपरा
वैदिक विवाह मिलान में प्रयुक्त कुज (मंगल) दोष। भावों पर (कुछ मत 2रे भाव को छोड़ देते हैं) और परिहारों पर मतों में भिन्नता है; manglik-match दो कुंडलियों के बीच परिहारों की जानकारी देता है।

कालसर्प

अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाम	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285
वर्तमान	नहीं
आंशिक	नहीं
प्रकार	—
राहु भाव	1

अक्ष के बाहर के ग्रह
सूर्य · चंद्र · बुध · गुरु · शुक्र · शनि

विवरण	कोई कालसर्प योग नहीं। ग्रह राहु और केतु के बीच सीमित नहीं हैं।
उपाय	—

स्पष्टीकरण

नियम	सभी सात ग्रह (सूर्य से शनि तक) राहु-केतु अक्ष के एक ओर; आंशिक तब, जब कोई एक अक्ष के बाहर या अक्ष पर स्थित हो।

निर्णायक

वर्तमान	नहीं
आंशिक	नहीं
प्रकार	—
राहु भाव	1

अक्ष के बाहर के ग्रह
सूर्य · चंद्र · बुध · गुरु · शुक्र · शनि

परंपरा
शास्त्रीय ग्रंथों (पराशर, फलदीपिका, सारावली) में परिभाषित नहीं; एक परवर्ती परंपरा, जो उत्तर भारतीय पद्धति में व्यापक रूप से प्रयुक्त है। बारह नामित प्रकार राहु के भाव का अनुसरण करते हैं।

साढ़े साती

अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाम	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285
चंद्र राशि	कन्या
की तिथि के अनुसार	2026-11-08
साढ़े साती चालू	नहीं
वर्तमान	—

अगली साढ़े साती

प्रकार	साढ़े साती
चरण	Rising
शनि राशि	सिंह
प्रारंभ	2036-08-27T15:06:45+00:00
अंत	2038-10-22T11:26:48+00:00
दिन	785.85
लघु अवधि	नहीं
मूर्ति	Tamra Murti
मूर्ति शुभ	नहीं
स्कैन से पहले आरम्भ	नहीं

स्पष्टीकरण

नियम	शनि का जन्म चंद्र राशि से 12वीं, 1ली और 2री राशि में गोचर (साढ़ेसाती: प्रथम, मध्य और अंतिम चरण); यहाँ चंद्रमा कन्या में है।

निर्णायक

चंद्र राशि	कन्या
की तिथि के अनुसार	2026-11-08
चालू	—
साढ़े साती चालू	नहीं

परंपरा

जन्म चंद्र राशि से गिना गया गोचर, जो वैदिक पद्धति में मानक है। शनि की वक्री चाल के कारण बनने वाली कुछ महीनों से छोटी अवधि को short_spell के रूप में चिह्नित किया जाता है।

अष्टकवर्ग

अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाम	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285
पद्धति	BPHS

राशि क्रम

मेष · वृषभ · मिथुन · कर्क · सिंह · कन्या · तुला · वृश्चिक · धनु · मकर · कुम्भ · मीन

भिन्नाष्टकवर्ग

	राशि के अनुसार	कुल
सूर्य	2, 4, 6, 4, 5, 1, 3, 6, 4, 4, 4, 5	48
चंद्र	4, 4, 6, 6, 1, 3, 4, 4, 3, 4, 4, 6	49
मंगल	2, 2, 4, 5, 4, 1, 2, 4, 4, 2, 5, 4	39
बुध	3, 4, 7, 4, 5, 4, 4, 4, 5, 5, 6, 3	54
गुरु	4, 8, 5, 6, 3, 3, 6, 4, 3, 6, 6, 2	56
शुक्र	6, 6, 1, 5, 4, 6, 4, 5, 2, 5, 4, 4	52
शनि	5, 4, 3, 5, 3, 1, 4, 4, 1, 2, 5, 2	39
लग्न	3, 4, 3, 5, 3, 4, 6, 4, 5, 3, 4, 5	49

सर्वाष्टकवर्ग

राशि के अनुसार	26, 32, 32, 35, 25, 19, 27, 31, 22, 28, 34, 26
कुल	337

घटाव

	पहले	त्रिकोण	एकाधिपत्य	राशि पिण्ड	ग्रह पिण्ड	शोध्य पिण्ड
सूर्य	2, 4, 6, 4, 5, 1, 3, 6, 4, 4, 4, 5	0, 3, 3, 0, 3, 0, 0, 2, 2, 3, 1, 1	0, 3, 3, 0, 3, 0, 0, 2, 2, 1, 1, 0	134	34	168
चंद्र	4, 4, 6, 6, 1, 3, 4, 4, 3, 4, 4, 6	3, 1, 2, 2, 0, 0, 0, 0, 2, 1, 0, 2	3, 1, 2, 2, 0, 0, 0, 0, 2, 1, 0, 0	78	38	116
मंगल	2, 2, 4, 5, 4, 1, 2, 4, 4, 2, 5, 4	0, 1, 2, 1, 2, 0, 0, 0, 2, 1, 3, 0	0, 1, 2, 1, 2, 0, 0, 0, 2, 1, 1, 0	84	28	112
बुध	3, 4, 7, 4, 5, 4, 4, 4, 5, 5, 6, 3	0, 0, 3, 1, 2, 0, 0, 1, 2, 1, 2, 0	0, 0, 3, 1, 2, 0, 0, 1, 2, 1, 1, 0	90	20	110
गुरु	4, 8, 5, 6, 3, 3, 6, 4, 3, 6, 6, 2	1, 5, 0, 4, 0, 0, 1, 2, 0, 3, 1, 0	1, 5, 0, 4, 0, 0, 1, 1, 0, 1, 1, 0	104	85	189
शुक्र	6, 6, 1, 5, 4, 6, 4, 5, 2, 5, 4, 4	4, 1, 0, 1, 2, 1, 3, 1, 0, 0, 3, 0	1, 1, 0, 1, 2, 1, 3, 1, 0, 0, 3, 0	108	50	158
शनि	5, 4, 3, 5, 3, 1, 4, 4, 1, 2, 5, 2	4, 3, 0, 3, 2, 0, 1, 2, 0, 1, 2, 0	2, 3, 0, 3, 2, 0, 1, 2, 0, 1, 1, 0	115	59	174
लग्न	3, 4, 3, 5, 3, 4, 6, 4, 5, 3, 4, 5	0, 1, 0, 1, 0, 1, 3, 0, 2, 0, 1, 1	0, 1, 0, 1, 0, 1, 3, 0, 2, 0, 1, 0	69	60	129

आयु

पद्धति	BPHS

नक्षत्र आयु

शोध्य सर्वाष्टक	602
आयु इकाइयाँ	156.07
वर्ष	138.45
सर्वाष्टक पूर्व	26, 32, 32, 35, 25, 19, 27, 31, 22, 28, 34, 26
सर्वाष्टक त्रिकोण	4, 13, 5, 9, 3, 0, 0, 5, 0, 9, 7, 0
सर्वाष्टक एकाधिपत्य	4, 13, 5, 9, 3, 0, 0, 4, 0, 7, 7, 0
राशि पिण्ड	408
ग्रह पिण्ड	194

मण्डल आयु

पाए गए प्रेरक	चन्द्र केन्द्र में नहीं और किसी अन्य ग्रह से युत
लागू	हाँ

विस्तृत विभाजन

	शोध्य	सकल	हरण गुणक	हरण टैग	हरण स्तर	घटाया हुआ
सूर्य	168	16.56	0.5	नीच	A	8.28
चंद्र	116	3.07	0.5	Multi-in-sign	A	1.54
मंगल	112	2.04	1	—	—	2.04
बुध	110	1.52	0.5	Multi-in-sign	A	0.76
गुरु	189	22	1	—	—	22
शुक्र	158	13.96	0.5	Multi-in-sign, नीच	A	6.98
शनि	174	18.11	1	—	—	18.11

कुल	59.7
वर्ष	58.85

चक्रपात लागू	नहीं
ग्रहण जाँचा गया	नहीं

पद्धति के नियम · नियम समूह	BPHS
पद्धति के नियम · के समान	—
पद्धति के नियम · नोट	BPHS अध्याय 70 — त्रिकोण और एकाधिपत्य शोधन।

योगिनी दशा

प्रणाली	योगिनी
अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाम	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285

जन्म के समय शेष

योगिनी	Mangala
वर्ष	0
महीने	7
दिन	28

वर्तमान

की तिथि के अनुसार	2026-11-08

महादशा

योगिनी	Mangala
स्वामी	चंद्र
प्रारंभ	2026-06-15
अंत	2027-06-16
चक्र	2

अंतर्दशा

योगिनी	Bhadrika
स्वामी	बुध
प्रारंभ	2026-09-23
अंत	2026-11-12

महादशाएँ

चंद्र

योगिनी	Mangala
प्रारंभ	1990-10-18
अंत	1991-06-16
चक्र	1

अन्तर्दशाएँ

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	अंत
Bhadrika	बुध	1990-10-18	1990-11-13
Ulka	शनि	1990-11-13	1991-01-12
सिद्ध	शुक्र	1991-01-12	1991-03-23
Sankata	राहु	1991-03-23	1991-06-16

सूर्य

योगिनी	Pingala
प्रारंभ	1991-06-16
अंत	1993-06-15
चक्र	1

अन्तर्दशाएँ

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	अंत
Pingala	सूर्य	1991-06-16	1991-07-26
Dhanya	गुरु	1991-07-26	1991-09-24
Bhramari	मंगल	1991-09-24	1991-12-13
Bhadrika	बुध	1991-12-13	1992-03-22
Ulka	शनि	1992-03-22	1992-07-20
सिद्ध	शुक्र	1992-07-20	1992-12-07
Sankata	राहु	1992-12-07	1993-05-16
Mangala	चंद्र	1993-05-16	1993-06-15

गुरु

योगिनी	Dhanya
प्रारंभ	1993-06-15
अंत	1996-06-15
चक्र	1

अन्तर्दशाएँ

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	अंत
Dhanya	गुरु	1993-06-15	1993-09-13
Bhramari	मंगल	1993-09-13	1994-01-11
Bhadrika	बुध	1994-01-11	1994-06-10
Ulka	शनि	1994-06-10	1994-12-07
सिद्ध	शुक्र	1994-12-07	1995-07-05
Sankata	राहु	1995-07-05	1996-03-01
Mangala	चंद्र	1996-03-01	1996-03-31
Pingala	सूर्य	1996-03-31	1996-06-15

मंगल

योगिनी	Bhramari
प्रारंभ	1996-06-15
अंत	2000-06-15
चक्र	1

अन्तर्दशाएँ

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	अंत
Bhramari	मंगल	1996-06-15	1996-11-22
Bhadrika	बुध	1996-11-22	1997-06-10
Ulka	शनि	1997-06-10	1998-02-05
सिद्ध	शुक्र	1998-02-05	1998-11-12
Sankata	राहु	1998-11-12	1999-09-28
Mangala	चंद्र	1999-09-28	1999-11-07
Pingala	सूर्य	1999-11-07	2000-01-26
Dhanya	गुरु	2000-01-26	2000-06-15

बुध

योगिनी	Bhadrika
प्रारंभ	2000-06-15
अंत	2005-06-15
चक्र	1

अन्तर्दशाएँ

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	अंत
Bhadrika	बुध	2000-06-15	2001-02-20
Ulka	शनि	2001-02-20	2001-12-17
सिद्ध	शुक्र	2001-12-17	2002-12-02
Sankata	राहु	2002-12-02	2004-01-06
Mangala	चंद्र	2004-01-06	2004-02-25
Pingala	सूर्य	2004-02-25	2004-06-04
Dhanya	गुरु	2004-06-04	2004-11-01
Bhramari	मंगल	2004-11-01	2005-06-15

शनि

योगिनी	Ulka
प्रारंभ	2005-06-15
अंत	2011-06-16
चक्र	1

अन्तर्दशाएँ

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	अंत
Ulka	शनि	2005-06-15	2006-06-10
सिद्ध	शुक्र	2006-06-10	2007-08-04
Sankata	राहु	2007-08-04	2008-11-26
Mangala	चंद्र	2008-11-26	2009-01-25
Pingala	सूर्य	2009-01-25	2009-05-25
Dhanya	गुरु	2009-05-25	2009-11-21
Bhramari	मंगल	2009-11-21	2010-07-19
Bhadrika	बुध	2010-07-19	2011-06-16

शुक्र

योगिनी	सिद्ध

प्रारंभ	2011-06-16
अंत	2018-06-15
चक्र	1

अन्तर्दशाएँ

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	अंत
सिद्ध	शुक्र	2011-06-16	2012-10-18
Sankata	राहु	2012-10-18	2014-05-01
Mangala	चंद्र	2014-05-01	2014-07-10
Pingala	सूर्य	2014-07-10	2014-11-27
Dhanya	गुरु	2014-11-27	2015-06-25
Bhramari	मंगल	2015-06-25	2016-03-31
Bhadrika	बुध	2016-03-31	2017-03-16
Ulka	शनि	2017-03-16	2018-06-15

राहु

योगिनी	Sankata
प्रारंभ	2018-06-15
अंत	2026-06-15
चक्र	1

अन्तर्दशाएँ

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	अंत
Sankata	राहु	2018-06-15	2020-03-16
Mangala	चंद्र	2020-03-16	2020-06-04
Pingala	सूर्य	2020-06-04	2020-11-11
Dhanya	गुरु	2020-11-11	2021-07-09
Bhramari	मंगल	2021-07-09	2022-05-25
Bhadrika	बुध	2022-05-25	2023-06-29
Ulka	शनि	2023-06-29	2024-10-21
सिद्ध	शुक्र	2024-10-21	2026-06-15

चंद्र

योगिनी	Mangala
प्रारंभ	2026-06-15
अंत	2027-06-16
चक्र	2

अन्तर्दशाएँ

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	अंत
Mangala	चंद्र	2026-06-15	2026-06-25
Pingala	सूर्य	2026-06-25	2026-07-15
Dhanya	गुरु	2026-07-15	2026-08-14
Bhramari	मंगल	2026-08-14	2026-09-23
Bhadrika	बुध	2026-09-23	2026-11-12
Ulka	शनि	2026-11-12	2027-01-11
सिद्ध	शुक्र	2027-01-11	2027-03-22

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	अंत
Sankata	राहु	2027-03-22	2027-06-16

सूर्य

योगिनी	Pingala
प्रारंभ	2027-06-16
अंत	2029-06-15
चक्र	2

अन्तर्दशाएँ

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	अंत
Pingala	सूर्य	2027-06-16	2027-07-26
Dhanya	गुरु	2027-07-26	2027-09-24
Bhramari	मंगल	2027-09-24	2027-12-13
Bhadrika	बुध	2027-12-13	2028-03-22
Ulka	शनि	2028-03-22	2028-07-20
सिद्ध	शुक्र	2028-07-20	2028-12-07
Sankata	राहु	2028-12-07	2029-05-16
Mangala	चंद्र	2029-05-16	2029-06-15

गुरु

योगिनी	Dhanya
प्रारंभ	2029-06-15
अंत	2032-06-15
चक्र	2

अन्तर्दशाएँ

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	अंत
Dhanya	गुरु	2029-06-15	2029-09-13
Bhramari	मंगल	2029-09-13	2030-01-11
Bhadrika	बुध	2030-01-11	2030-06-10
Ulka	शनि	2030-06-10	2030-12-07
सिद्ध	शुक्र	2030-12-07	2031-07-05
Sankata	राहु	2031-07-05	2032-03-01
Mangala	चंद्र	2032-03-01	2032-03-31
Pingala	सूर्य	2032-03-31	2032-06-15

मंगल

योगिनी	Bhramari
प्रारंभ	2032-06-15
अंत	2036-06-15
चक्र	2

अन्तर्दशाएँ

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	अंत
Bhramari	मंगल	2032-06-15	2032-11-22
Bhadrika	बुध	2032-11-22	2033-06-10

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	अंत
Ulka	शनि	2033-06-10	2034-02-05
सिद्ध	शुक्र	2034-02-05	2034-11-12
Sankata	राहु	2034-11-12	2035-09-28
Mangala	चंद्र	2035-09-28	2035-11-07
Pingala	सूर्य	2035-11-07	2036-01-26
Dhanya	गुरु	2036-01-26	2036-06-15

बुध

योगिनी	Bhadrika
प्रारंभ	2036-06-15
अंत	2041-06-15
चक्र	2

अन्तर्दशाएँ

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	अंत
Bhadrika	बुध	2036-06-15	2037-02-20
Ulka	शनि	2037-02-20	2037-12-17
सिद्ध	शुक्र	2037-12-17	2038-12-02
Sankata	राहु	2038-12-02	2040-01-06
Mangala	चंद्र	2040-01-06	2040-02-25
Pingala	सूर्य	2040-02-25	2040-06-04
Dhanya	गुरु	2040-06-04	2040-11-01
Bhramari	मंगल	2040-11-01	2041-06-15

शनि

योगिनी	Ulka
प्रारंभ	2041-06-15
अंत	2047-06-15
चक्र	2

अन्तर्दशाएँ

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	अंत
Ulka	शनि	2041-06-15	2042-06-10
सिद्ध	शुक्र	2042-06-10	2043-08-04
Sankata	राहु	2043-08-04	2044-11-26
Mangala	चंद्र	2044-11-26	2045-01-25
Pingala	सूर्य	2045-01-25	2045-05-25
Dhanya	गुरु	2045-05-25	2045-11-21
Bhramari	मंगल	2045-11-21	2046-07-19
Bhadrika	बुध	2046-07-19	2047-06-15

शुक्र

योगिनी	सिद्ध
प्रारंभ	2047-06-15
अंत	2054-06-15
चक्र	2

अन्तर्दशाएँ

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	अंत
सिद्ध	शुक्र	2047-06-15	2048-10-17
Sankata	राहु	2048-10-17	2050-04-30
Mangala	चंद्र	2050-04-30	2050-07-09
Pingala	सूर्य	2050-07-09	2050-11-26
Dhanya	गुरु	2050-11-26	2051-06-24
Bhramari	मंगल	2051-06-24	2052-03-30
Bhadrika	बुध	2052-03-30	2053-03-15
Ulka	शनि	2053-03-15	2054-06-15

राहु

योगिनी	Sankata
प्रारंभ	2054-06-15
अंत	2062-06-15
चक्र	2

अन्तर्दशाएँ

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	अंत
Sankata	राहु	2054-06-15	2056-03-16
Mangala	चंद्र	2056-03-16	2056-06-04
Pingala	सूर्य	2056-06-04	2056-11-11
Dhanya	गुरु	2056-11-11	2057-07-09
Bhramari	मंगल	2057-07-09	2058-05-25
Bhadrika	बुध	2058-05-25	2059-06-29
Ulka	शनि	2059-06-29	2060-10-21
सिद्ध	शुक्र	2060-10-21	2062-06-15

चंद्र

योगिनी	Mangala
प्रारंभ	2062-06-15
अंत	2063-06-15
चक्र	3

अन्तर्दशाएँ

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	अंत
Mangala	चंद्र	2062-06-15	2062-06-25
Pingala	सूर्य	2062-06-25	2062-07-15
Dhanya	गुरु	2062-07-15	2062-08-14
Bhramari	मंगल	2062-08-14	2062-09-23
Bhadrika	बुध	2062-09-23	2062-11-12
Ulka	शनि	2062-11-12	2063-01-11
सिद्ध	शुक्र	2063-01-11	2063-03-22
Sankata	राहु	2063-03-22	2063-06-15

सूर्य

योगिनी	Pingala

प्रारंभ	2063-06-15
अंत	2065-06-15
चक्र	3

अन्तर्दशाएँ

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	अंत
Pingala	सूर्य	2063-06-15	2063-07-25
Dhanya	गुरु	2063-07-25	2063-09-23
Bhramari	मंगल	2063-09-23	2063-12-12
Bhadrika	बुध	2063-12-12	2064-03-21
Ulka	शनि	2064-03-21	2064-07-19
सिद्ध	शुक्र	2064-07-19	2064-12-06
Sankata	राहु	2064-12-06	2065-05-15
Mangala	चंद्र	2065-05-15	2065-06-15

गुरु

योगिनी	Dhanya
प्रारंभ	2065-06-15
अंत	2068-06-15
चक्र	3

अन्तर्दशाएँ

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	अंत
Dhanya	गुरु	2065-06-15	2065-09-13
Bhramari	मंगल	2065-09-13	2066-01-11
Bhadrika	बुध	2066-01-11	2066-06-10
Ulka	शनि	2066-06-10	2066-12-07
सिद्ध	शुक्र	2066-12-07	2067-07-05
Sankata	राहु	2067-07-05	2068-03-01
Mangala	चंद्र	2068-03-01	2068-03-31
Pingala	सूर्य	2068-03-31	2068-06-15

मंगल

योगिनी	Bhramari
प्रारंभ	2068-06-15
अंत	2072-06-15
चक्र	3

अन्तर्दशाएँ

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	अंत
Bhramari	मंगल	2068-06-15	2068-11-22
Bhadrika	बुध	2068-11-22	2069-06-10
Ulka	शनि	2069-06-10	2070-02-05
सिद्ध	शुक्र	2070-02-05	2070-11-12
Sankata	राहु	2070-11-12	2071-09-28
Mangala	चंद्र	2071-09-28	2071-11-07
Pingala	सूर्य	2071-11-07	2072-01-26

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	अंत
Dhanya	गुरु	2072-01-26	2072-06-15

बुध

योगिनी	Bhadrika
प्रारंभ	2072-06-15
अंत	2077-06-15
चक्र	3

अन्तर्दशाएँ

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	अंत
Bhadrika	बुध	2072-06-15	2073-02-20
Ulka	शनि	2073-02-20	2073-12-17
सिद्ध	शुक्र	2073-12-17	2074-12-02
Sankata	राहु	2074-12-02	2076-01-06
Mangala	चंद्र	2076-01-06	2076-02-25
Pingala	सूर्य	2076-02-25	2076-06-04
Dhanya	गुरु	2076-06-04	2076-11-01
Bhramari	मंगल	2076-11-01	2077-06-15

शनि

योगिनी	Ulka
प्रारंभ	2077-06-15
अंत	2083-06-15
चक्र	3

अन्तर्दशाएँ

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	अंत
Ulka	शनि	2077-06-15	2078-06-10
सिद्ध	शुक्र	2078-06-10	2079-08-04
Sankata	राहु	2079-08-04	2080-11-26
Mangala	चंद्र	2080-11-26	2081-01-25
Pingala	सूर्य	2081-01-25	2081-05-25
Dhanya	गुरु	2081-05-25	2081-11-21
Bhramari	मंगल	2081-11-21	2082-07-19
Bhadrika	बुध	2082-07-19	2083-06-15

शुक्र

योगिनी	सिद्ध
प्रारंभ	2083-06-15
अंत	2090-06-15
चक्र	3

अन्तर्दशाएँ

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	अंत
सिद्ध	शुक्र	2083-06-15	2084-10-17
Sankata	राहु	2084-10-17	2086-04-30

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	अंत
Mangala	चंद्र	2086-04-30	2086-07-09
Pingala	सूर्य	2086-07-09	2086-11-26
Dhanya	गुरु	2086-11-26	2087-06-24
Bhramari	मंगल	2087-06-24	2088-03-30
Bhadrika	बुध	2088-03-30	2089-03-15
Ulka	शनि	2089-03-15	2090-06-15

राहु

योगिनी	Sankata
प्रारंभ	2090-06-15
अंत	2098-06-15
चक्र	3

अन्तर्दशाएँ

योगिनी	स्वामी	प्रारंभ	अंत
Sankata	राहु	2090-06-15	2092-03-16
Mangala	चंद्र	2092-03-16	2092-06-04
Pingala	सूर्य	2092-06-04	2092-11-11
Dhanya	गुरु	2092-11-11	2093-07-09
Bhramari	मंगल	2093-07-09	2094-05-25
Bhadrika	बुध	2094-05-25	2095-06-29
Ulka	शनि	2095-06-29	2096-10-21
सिद्ध	शुक्र	2096-10-21	2098-06-15

चर दशा

प्रणाली	Chara
अयनांश · ID	Lahiri
अयनांश · नाम	N.C. Lahiri
अयनांश · अंश	23.7285
दिशा	Reverse

वर्तमान

की तिथि के अनुसार	2026-11-08

महादशा

राशि	कन्या
राशि संख्या	6
प्रारंभ	2015-10-18
अंत	2027-10-18
वर्ष	12

अंतर्दशा

राशि	कन्या

राशि संख्या	6
प्रारंभ	2026-10-18
अंत	2027-10-18

महादशाएँ

मकर

राशि संख्या	10
प्रारंभ	1990-10-18
अंत	1991-10-18
वर्ष	1

अन्तर्दशाएँ

राशि	राशि संख्या	प्रारंभ	अंत
धनु	9	1990-10-18	1990-11-18
वृश्चिक	8	1990-11-18	1990-12-18
तुला	7	1990-12-18	1991-01-17
कन्या	6	1991-01-17	1991-02-17
सिंह	5	1991-02-17	1991-03-19
कर्क	4	1991-03-19	1991-04-19
मिथुन	3	1991-04-19	1991-05-19
वृषभ	2	1991-05-19	1991-06-19
मेष	1	1991-06-19	1991-07-19
मीन	12	1991-07-19	1991-08-18
कुम्भ	11	1991-08-18	1991-09-18
मकर	10	1991-09-18	1991-10-18

धनु

राशि संख्या	9
प्रारंभ	1991-10-18
अंत	1998-10-18
वर्ष	7

अन्तर्दशाएँ

राशि	राशि संख्या	प्रारंभ	अंत
वृश्चिक	8	1991-10-18	1992-05-18
तुला	7	1992-05-18	1992-12-17
कन्या	6	1992-12-17	1993-07-19
सिंह	5	1993-07-19	1994-02-17
कर्क	4	1994-02-17	1994-09-18
मिथुन	3	1994-09-18	1995-04-19
वृषभ	2	1995-04-19	1995-11-18
मेष	1	1995-11-18	1996-06-18
मीन	12	1996-06-18	1997-01-17
कुम्भ	11	1997-01-17	1997-08-18
मकर	10	1997-08-18	1998-03-19
धनु	9	1998-03-19	1998-10-18

वृश्चिक

राशि संख्या	8
प्रारंभ	1998-10-18
अंत	2004-10-17
वर्ष	6

अन्तर्दशाएँ

राशि	राशि संख्या	प्रारंभ	अंत
तुला	7	1998-10-18	1999-04-19
कन्या	6	1999-04-19	1999-10-18
सिंह	5	1999-10-18	2000-04-18
कर्क	4	2000-04-18	2000-10-18
मिथुन	3	2000-10-18	2001-04-18
वृषभ	2	2001-04-18	2001-10-18
मेष	1	2001-10-18	2002-04-18
मीन	12	2002-04-18	2002-10-18
कुम्भ	11	2002-10-18	2003-04-19
मकर	10	2003-04-19	2003-10-18
धनु	9	2003-10-18	2004-04-18
वृश्चिक	8	2004-04-18	2004-10-17

तुला

राशि संख्या	7
प्रारंभ	2004-10-17
अंत	2015-10-18
वर्ष	11

अन्तर्दशाएँ

राशि	राशि संख्या	प्रारंभ	अंत
वृश्चिक	8	2004-10-17	2005-09-17
धनु	9	2005-09-17	2006-08-18
मकर	10	2006-08-18	2007-07-19
कुम्भ	11	2007-07-19	2008-06-18
मीन	12	2008-06-18	2009-05-19
मेष	1	2009-05-19	2010-04-18
वृषभ	2	2010-04-18	2011-03-19
मिथुन	3	2011-03-19	2012-02-17
कर्क	4	2012-02-17	2013-01-17
सिंह	5	2013-01-17	2013-12-18
कन्या	6	2013-12-18	2014-11-17
तुला	7	2014-11-17	2015-10-18

कन्या

राशि संख्या	6
प्रारंभ	2015-10-18
अंत	2027-10-18
वर्ष	12

अन्तर्दशाएँ

राशि	राशि संख्या	प्रारंभ	अंत
तुला	7	2015-10-18	2016-10-17
वृश्चिक	8	2016-10-17	2017-10-18
धनु	9	2017-10-18	2018-10-18
मकर	10	2018-10-18	2019-10-18
कुम्भ	11	2019-10-18	2020-10-17
मीन	12	2020-10-17	2021-10-18
मेष	1	2021-10-18	2022-10-18
वृषभ	2	2022-10-18	2023-10-18
मिथुन	3	2023-10-18	2024-10-17
कर्क	4	2024-10-17	2025-10-18
सिंह	5	2025-10-18	2026-10-18
कन्या	6	2026-10-18	2027-10-18

सिंह

राशि संख्या	5
प्रारंभ	2027-10-18
अंत	2037-10-18
वर्ष	10

अन्तर्दशाएँ

राशि	राशि संख्या	प्रारंभ	अंत
कन्या	6	2027-10-18	2028-08-17
तुला	7	2028-08-17	2029-06-18
वृश्चिक	8	2029-06-18	2030-04-18
धनु	9	2030-04-18	2031-02-17
मकर	10	2031-02-17	2031-12-18
कुम्भ	11	2031-12-18	2032-10-17
मीन	12	2032-10-17	2033-08-18
मेष	1	2033-08-18	2034-06-18
वृषभ	2	2034-06-18	2035-04-18
मिथुन	3	2035-04-18	2036-02-17
कर्क	4	2036-02-17	2036-12-17
सिंह	5	2036-12-17	2037-10-18

कर्क

राशि संख्या	4
प्रारंभ	2037-10-18
अंत	2047-10-18
वर्ष	10

अन्तर्दशाएँ

राशि	राशि संख्या	प्रारंभ	अंत
मिथुन	3	2037-10-18	2038-08-18
वृषभ	2	2038-08-18	2039-06-18
मेष	1	2039-06-18	2040-04-18

राशि	राशि संख्या	प्रारंभ	अंत
मीन	12	2040-04-18	2041-02-16
कुम्भ	11	2041-02-16	2041-12-17
मकर	10	2041-12-17	2042-10-18
धनु	9	2042-10-18	2043-08-18
वृश्चिक	8	2043-08-18	2044-06-17
तुला	7	2044-06-17	2045-04-18
कन्या	6	2045-04-18	2046-02-16
सिंह	5	2046-02-16	2046-12-18
कर्क	4	2046-12-18	2047-10-18

मिथुन

राशि संख्या	3
प्रारंभ	2047-10-18
अंत	2050-10-18
वर्ष	3

अन्तर्दशाएँ

राशि	राशि संख्या	प्रारंभ	अंत
वृषभ	2	2047-10-18	2048-01-17
मेष	1	2048-01-17	2048-04-18
मीन	12	2048-04-18	2048-07-18
कुम्भ	11	2048-07-18	2048-10-17
मकर	10	2048-10-17	2049-01-16
धनु	9	2049-01-16	2049-04-18
वृश्चिक	8	2049-04-18	2049-07-18
तुला	7	2049-07-18	2049-10-17
कन्या	6	2049-10-17	2050-01-17
सिंह	5	2050-01-17	2050-04-18
कर्क	4	2050-04-18	2050-07-18
मिथुन	3	2050-07-18	2050-10-18

वृषभ

राशि संख्या	2
प्रारंभ	2050-10-18
अंत	2054-10-18
वर्ष	4

अन्तर्दशाएँ

राशि	राशि संख्या	प्रारंभ	अंत
मेष	1	2050-10-18	2051-02-16
मीन	12	2051-02-16	2051-06-18
कुम्भ	11	2051-06-18	2051-10-18
मकर	10	2051-10-18	2052-02-17
धनु	9	2052-02-17	2052-06-17
वृश्चिक	8	2052-06-17	2052-10-17
तुला	7	2052-10-17	2053-02-16

राशि	राशि संख्या	प्रारंभ	अंत
कन्या	6	2053-02-16	2053-06-18
सिंह	5	2053-06-18	2053-10-17
कर्क	4	2053-10-17	2054-02-16
मिथुन	3	2054-02-16	2054-06-18
वृषभ	2	2054-06-18	2054-10-18

मेष

राशि संख्या	1
प्रारंभ	2054-10-18
अंत	2055-10-18
वर्ष	1

अन्तर्दशाएँ

राशि	राशि संख्या	प्रारंभ	अंत
वृषभ	2	2054-10-18	2054-11-17
मिथुन	3	2054-11-17	2054-12-17
कर्क	4	2054-12-17	2055-01-17
सिंह	5	2055-01-17	2055-02-16
कन्या	6	2055-02-16	2055-03-19
तुला	7	2055-03-19	2055-04-18
वृश्चिक	8	2055-04-18	2055-05-19
धनु	9	2055-05-19	2055-06-18
मकर	10	2055-06-18	2055-07-19
कुम्भ	11	2055-07-19	2055-08-18
मीन	12	2055-08-18	2055-09-17
मेष	1	2055-09-17	2055-10-18

मीन

राशि संख्या	12
प्रारंभ	2055-10-18
अंत	2063-10-18
वर्ष	8

अन्तर्दशाएँ

राशि	राशि संख्या	प्रारंभ	अंत
मेष	1	2055-10-18	2056-06-17
वृषभ	2	2056-06-17	2057-02-16
मिथुन	3	2057-02-16	2057-10-17
कर्क	4	2057-10-17	2058-06-18
सिंह	5	2058-06-18	2059-02-16
कन्या	6	2059-02-16	2059-10-18
तुला	7	2059-10-18	2060-06-17
वृश्चिक	8	2060-06-17	2061-02-16
धनु	9	2061-02-16	2061-10-17
मकर	10	2061-10-17	2062-06-18
कुम्भ	11	2062-06-18	2063-02-16

राशि	राशि संख्या	प्रारंभ	अंत
मीन	12	2063-02-16	2063-10-18

कुम्भ

राशि संख्या	11
प्रारंभ	2063-10-18
अंत	2065-10-17
वर्ष	2

अन्तर्दशाएँ

राशि	राशि संख्या	प्रारंभ	अंत
मीन	12	2063-10-18	2063-12-18
मेष	1	2063-12-18	2064-02-17
वृषभ	2	2064-02-17	2064-04-17
मिथुन	3	2064-04-17	2064-06-17
कर्क	4	2064-06-17	2064-08-17
सिंह	5	2064-08-17	2064-10-17
कन्या	6	2064-10-17	2064-12-17
तुला	7	2064-12-17	2065-02-16
वृश्चिक	8	2065-02-16	2065-04-18
धनु	9	2065-04-18	2065-06-18
मकर	10	2065-06-18	2065-08-17
कुम्भ	11	2065-08-17	2065-10-17

ग्रह रिपोर्ट

अयनांश · ID	Lahiri
नोड	True
लग्न	मकर
लग्नेश	शनि
चंद्र नक्षत्र	चित्रा
भाव प्रणाली	Whole sign

ग्रह

सूर्य

भाव	10

यदि सुस्थित
दशम भाव में सूर्य करियर की सफलता और सांसारिक अधिकार के लिए सर्वश्रेष्ठ स्थितियों में से एक है। जातक प्रसिद्ध, सम्मानित होगा और महान शक्ति के पदों पर रहेगा। वह सरकारी सेवा, राजनीति या नेतृत्व की भूमिकाओं में सफल होगा। उसका करियर प्रतिष्ठित होगा और वह अपने कार्यक्षेत्र में सुविख्यात होगा।

यदि पीड़ित
पीड़ित होने पर पद से अचानक पतन, वरिष्ठों से संघर्ष और सरकारी परेशानियाँ हो सकती हैं। जातक अत्यधिक महत्वाकांक्षी हो सकता है और प्रतिष्ठा की खोज में दूसरों को हानि पहुँचा सकता है। सूर्य के अत्यधिक पीड़ित होने पर करियर में असफलताएँ और सार्वजनिक अपमान संभव हैं।

चंद्र

भाव	9

यदि सुस्थित
नवम भाव में चन्द्र भाग्यशाली और धन्य जीवन, आध्यात्मिक झुकाव और समर्पित व धर्मपरायण पिता देता है। जातक धर्म के प्रति समर्पित होगा, तीर्थ-यात्राएँ करेगा और उच्च शिक्षा तथा दार्शनिक कार्यों में सफल होगा। धर्मानुकूल जीवन से जातक पर भाग्य मुस्कुराता है।

यदि पीड़ित
पीड़ित होने पर पिता से विवाद, बदलती और असंगत धार्मिक मान्यताएँ तथा आस्था व दर्शन के विषयों में भावनात्मक अस्थिरता हो सकती है। जातक सच्चे अर्थों में आध्यात्मिक होने के स्थान पर अंधविश्वासी हो सकता है।

मंगल

भाव	5

यदि सुस्थित
पंचम भाव में मंगल प्रतिस्पर्धी बुद्धि, गतिशील रचनात्मकता और खेल, सट्टे तथा रचनात्मक क्षेत्रों में सफलता देता है। जातक रचनात्मक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने में उत्साही, ऊर्जावान और प्रबल होगा। संतान बलवान और खेलकूद में कुशल हो सकती है।

यदि पीड़ित
पीड़ित होने पर संतान से जुड़ी गंभीर कठिनाइयाँ, जिनमें संभावित हानि या रोग शामिल हैं, आवेगपूर्ण सट्टे की हानियों से आर्थिक तंगी और प्रेम-संबंधों में आक्रामक व्यवहार हो सकता है जो साथी को दूर कर देता है।

बुध

भाव	9

यदि सुस्थित
नवम भाव में बुध दार्शनिक बुद्धि, उच्च शिक्षा और प्रकाशन में सफलता तथा धार्मिक व दार्शनिक विमर्श में कुशलता देता है। जातक अनेक विषयों का विद्वान होगा और शिक्षक, विद्वान या दार्शनिक व आध्यात्मिक ग्रंथों के लेखक के रूप में सफल होगा।

यदि पीड़ित
पीड़ित होने पर बौद्धिक अभिमान और अहंकार, निरंतर बदलती दार्शनिक मान्यताएँ जो गहरी आस्था में बाधक हों, और ऐसे शिक्षकों व आध्यात्मिक मार्गदर्शकों से कठिनाइयाँ हो सकती हैं जिन्हें जातक अत्यधिक तर्कशील और विश्लेषणशील लगे।

गुरु

भाव	7

यदि सुस्थित
सप्तम भाव में गुरु आदर्श, बुद्धिमान, आध्यात्मिक झुकाव वाला और अत्यंत भाग्यशाली जीवनसाथी देता है। जातक विवाह, साझेदारियों और सार्वजनिक व्यवहार से बहुत समृद्ध होगा। विवाह सच्चे सुख और परस्पर विकास का स्रोत होगा।

यदि पीड़ित
पीड़ित होने पर साथी का अति-आदर्शीकरण हो सकता है जो वास्तविकता के कम पड़ने पर गहरी निराशा देता है, साझेदारियों में कानूनी विवाद हो सकते हैं और ऐसे साथियों को आकर्षित करने की प्रवृत्ति हो सकती है जो नैतिकतावादी किंतु अव्यावहारिक हों।

शुक्र

भाव	9

यदि सुस्थित
नवम भाव में शुक्र भाग्यशाली, सुखद और कलात्मक रूप से समृद्ध जीवन-दर्शन देता है। जातक को सौंदर्य, संगीत और कलाओं के माध्यम से आध्यात्मिक संतोष मिलेगा। विदेश यात्राएँ अत्यंत सुखद होंगी और महत्वपूर्ण प्रेम या कलात्मक भेंटों की ओर ले जा सकती हैं।

यदि पीड़ित
पीड़ित होने पर भोग-प्रधान और स्वार्थपूर्ण आध्यात्मिक मान्यताएँ जो अति-उपभोग और सुख की खोज को उचित ठहराएँ, प्रेम या आर्थिक अति के कारण पिता से कठिनाइयाँ और कानूनी मामलों में गलत निर्णय हो सकते हैं।

शनि

भाव	12

यदि सुस्थित
द्वादश भाव में शनि गहरा और सच्चा आध्यात्मिक जीवन, त्याग और एकांतवास में सफलता, गहन ध्यान की क्षमता और निरंतर आध्यात्मिक अनुशासन व सांसारिक इच्छाओं से वैराग्य के माध्यम से संभावित मोक्ष देता है।

यदि पीड़ित
पीड़ित होने पर, द्वादश भाव में शनि रोग, एकाकीपन, कारावास या अस्पताल में भर्ती होने के रूप में दीर्घकालिक और कठिन बंधन लाता है। दीर्घकालिक कष्ट के कारण भारी आर्थिक व्यय हो सकता है। गुप्त शत्रु निरंतर और कठिनाई से निवारण योग्य हानि पहुँचाते हैं।

राहु

भाव	1

यदि सुस्थित
प्रथम भाव में राहु अपरंपरागत, करिश्माई और तीव्र महत्वाकांक्षी व्यक्तित्व देता है, जिसके प्रबल विदेशी संबंध हों और जिसकी असामान्य प्रतिभाएँ अप्रत्याशित रूप से प्रकट हों। जातक असाधारण और अपरंपरागत साधनों से जीवन में उन्नति करेगा। उसका व्यक्तित्व सम्मोहक होगा जो दूसरों को प्रबलता से आकर्षित करता है।

यदि पीड़ित
पीड़ित होने पर दीर्घकालिक पहचान-भ्रम, स्नायु-तंत्र और मस्तिष्क से जुड़ी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएँ, छल की प्रवृत्ति और दूसरों को हानि पहुँचाने वाली जुनूनी महत्वाकांक्षा हो सकती है। बाहरी सफलता के बावजूद जातक गहराई से असंतुष्ट रह सकता है।

केतु

भाव	7

यदि सुस्थित
सप्तम भाव में केतु अत्यंत आध्यात्मिक और कार्मिक रूप से महत्वपूर्ण साझेदारी की संभावना देता है जिसमें दोनों साथी संबंध के माध्यम से गहराई से विकसित होते हैं। स्वयं के अहं से विरक्ति सच्चा आध्यात्मिक मिलन लाती है।

यदि पीड़ित
पीड़ित होने पर गंभीर और कार्मिक रूप से बोझिल वैवाहिक कठिनाइयाँ, अलगाव, मृत्यु या आध्यात्मिक दूरी के कारण साथी की हानि और व्यवहार्य व स्थायी व्यापारिक साझेदारियाँ स्थापित करने में दीर्घकालिक बाधाएँ हो सकती हैं।

अनुकूल बिंदु

अयनांश · ID	Lahiri
नोड	True
लग्न	मकर
लग्नेश	शनि
चंद्र नक्षत्र	चित्रा
पर आधारित · लग्नेश	शनि
शुभ दिन	शनिवार और बुधवार अत्यंत अनुकूल हैं।
शुभ रंग	गहरा नीला और काला रंग शुभ हैं। लाल और गुलाबी रंग अशुभ रहेंगे।
शुभ अंक	8, 4, 6 और 17 अत्यंत शुभ अंक हैं। प्रत्येक माह की 1, 10 और 19 तारीख़ें अशुभ हैं।
रत्न	नीलम। विकल्प: जमुनिया (एमेथिस्ट) या नीला टोपाज़।
वैकल्पिक रत्न	लाजवर्त, नीला स्पिनेल या आयोलाइट (नीली)।
शुभ संकेत	मकर, कुम्भ, वृषभ और तुला अनुकूल हैं।

शुभ अवधि
पौष या माघ मास (मध्य दिसंबर से मध्य फ़रवरी) अत्यंत शुभ है। यवनाचार्य के अनुसार कृष्ण पक्ष, शनिवार की शाम सबसे अनुकूल समय है। प्रत्येक मास की 8, 17, 26 तारीख़ें विशेष रूप से भाग्यशाली हैं।

अशुभ दिन	रविवार — सूर्य द्वारा शासित दिन, जो इस लग्न के लिए प्रमुख शत्रु ग्रह है।

अशुभ मास
प्रत्येक वर्ष के अप्रैल और मई सामान्यतः कम अनुकूल रहते हैं। प्रत्येक मास की 1, 10, 19 तारीख़ें अशुभ हैं। लाल और गुलाबी रंग के वस्त्रों से बचना चाहिए। रविवार अशुभ है।

अशुभ तिथियाँ	तृतीया, अष्टमी और त्रयोदशी अशुभ हैं।

लग्न वाचन

लग्न

राशि	मकर
राशि संख्या	10
अंश	23.8936
नक्षत्र	धनिष्ठा
पद	1
तत्व	पृथ्वी
पद्धति	चर
स्वामी	शनि
मूलरूप	ऐसा आरोही जो प्रगति को दशकों में मापता है

स्वामी

ग्रह	शनि
राशि	धनु
भाव	12
बल	सम
वक्री	नहीं
अस्त	नहीं
शक्ति सूचक	Workable

अधिवासी

ग्रह	राशि	अंश	बल	वक्री	प्रकृति	प्रभाव
राहु	मकर	9.9383	सम	हाँ	Malefic	महत्वाकांक्षा, अपरंपरागत उपस्थिति और पहुँच से बाहर की चीज़ों की लालसा जोड़ता है

दृष्टियाँ

ग्रह	भाव से	दृष्टि	बल	प्रकृति
गुरु	7	7th aspect	उच्च	शुभ ग्रह
केतु	7	7th aspect	सम	Malefic

फलादेश

- आपके जन्म के समय मकर लग्न उदित हो रहा था, जिससे शनि आपकी कुण्डली का स्वामी बनता है; यही लग्न वह मूल स्वर तय करता है जिसके संदर्भ में बाकी सब पढ़ा जाता है। पृथ्वी तत्व की चर राशि होने के कारण यह ऐसा स्वभाव देती है जो अनुशासित, यथार्थवादी और प्रतीक्षा के लिए तैयार है — ऐसा आरोही जो प्रगति को दशकों में मापता है।
- आपका जीवन पहल के रूप में आगे बढ़ता है। आप सहजता से कार्य आरंभ करते हैं, और कठिनाई शुरू करने में नहीं, पूरा करने में होती है।
- आपकी कुण्डली का स्वामी शनि 12वें भाव में धनु राशि में स्थित है। इससे आपके जीवन का गुरुत्व-केंद्र उन विषयों में निवेशित है जो दृष्टि से परे हैं: विदेश, एकांत, शोध या आंतरिक जीवन। सामान्य, दिखाई देने वाली उपलब्धियाँ आपको उतना संतोष नहीं देतीं जितना देनी चाहिए।
- वहाँ इसकी स्थिति कार्यक्षम है: धनु में यह प्रभावी ढंग से कार्य करता है, पर अपने परिवेश का रंग ग्रहण कर लेता है। आपके स्व के स्वामी को न तो बल मिलता है और न ही बाधा; वह क्या करता है, यह बहुत हद तक उसकी संगति और चल रही दशा पर निर्भर करता है।
- इसके अतिरिक्त, स्वयं आपके प्रथम भाव में राहु की उपस्थिति है, जिसका सीधा प्रभाव व्यक्तित्व पर पड़ता है। राहु महत्वाकांक्षा, अपरंपरागत उपस्थिति और पहुँच से बाहर की चीज़ों की लालसा जोड़ता है।

- अन्य स्थानों से लग्न पर क्या पड़ता है, यह देखें तो: गुरु लग्न पर दृष्टि डालता है, जिससे इसकी रक्षा होती है — जितना आप ध्यान देते हैं, उससे कहीं अधिक बार आपको संदेह का लाभ मिलता है; केतु इस पर दृष्टि डालता है, जिससे यह कठोर बनता है — आपके स्व पर बाहर से दबाव है, और इसने आपको उससे अधिक सक्षम बनाया है जितना कोई सुविधाजनक कुण्डली बनाती।

काया

नक्षत्र	धनिष्ठा

नोट्स
- मकर लग्न के पृथ्वी तत्व का झुकाव प्रायः इस ओर होता है: सुगठित, मज़बूत काया जो अपनी तंदुरुस्ती बनाए रखती है और देर से थकती है।
- लग्न धनिष्ठा नक्षत्र में उदित है, जो सामान्य चित्र को और परिष्कृत करता है — व्यवहार और रूप-रंग की बारीक विशेषताएँ राशि के बजाय उस नक्षत्र का अनुसरण करती हैं।

शक्तियाँ
- यहाँ मकर लग्न की अपनी छाप ही पूँजी है: स्वभाव सुसंगत है, और जहाँ कोई एक स्थिति विशेष रूप से उभरकर न भी दिखे, वहाँ भी यह सुसंगति जीवन भर संचित होकर बढ़ती जाती है।

चुनौतियाँ
- प्रथम भाव में राहु — महत्वाकांक्षा, अपरंपरागत उपस्थिति और पहुँच से बाहर की चीज़ों की लालसा जोड़ता है, जिसे दूसरे आपकी मंशा से अधिक तीखे रूप में देखते हैं।

रत्न

लग्न	मकर

कार्यात्मक प्रकृति

ग्रह	प्रकृति	भाव	क्यों
शनि	शुभ ग्रह	1, 2	1ले भाव का स्वामी, जो त्रिकोण है — आपके लिए कार्यात्मक शुभ ग्रह
गुरु	Malefic	3, 12	3रे भाव का स्वामी — आपके लिए कार्यात्मक पाप ग्रह
मंगल	सम	4, 11	4थे भाव का स्वामी, जो केन्द्र है — आपके लिए निष्प्रभावी, न विशेष सहायक न हानिकारक
शुक्र	योगकारक	5, 10	त्रिकोण (5वें भाव) और केन्द्र (10वें भाव), दोनों का स्वामी — मकर लग्न की कुण्डली में सबसे अधिक शुभ ग्रह
बुध	शुभ ग्रह	6, 9	9वें भाव का स्वामी, जो त्रिकोण है — आपके लिए कार्यात्मक शुभ ग्रह
चंद्र	सम	7	7वें भाव का स्वामी, जो केन्द्र है — आपके लिए निष्प्रभावी, न विशेष सहायक न हानिकारक
सूर्य	सम	8	आपके लिए किसी निर्णायक भाव का स्वामी नहीं
राहु	सम	—	किसी राशि का स्वामी नहीं; अपने राशि-स्वामी (डिस्पोज़िटर) और अपने भाव के माध्यम से कार्य करता है
केतु	सम	—	किसी राशि का स्वामी नहीं; अपने राशि-स्वामी (डिस्पोज़िटर) और अपने भाव के माध्यम से कार्य करता है

रत्न

शनि

भूमिका	Life Stone
नियम भाव	1
उद्देश्य	आपके लग्नेश को बल देता है — जीवनशक्ति, आत्मविश्वास और स्वयं
सलाह दी गई	हाँ

निर्णय
अनुशंसित। शनि को अपनी राशि से न बल मिलता है न बाधा, इसलिए यह अपने फल अपने परिवेश से ग्रहण करता है — और ठीक यही वह स्थिति है जिसे स्थिर करने के लिए शास्त्रीय रूप से रत्न का प्रयोग किया जाता है।

राशि में स्थित	धनु
भाव में स्थित	12
बल	सम

वक्री	नहीं
कार्यात्मक प्रकृति	शुभ ग्रह
कार्यात्मक कारण	1ले भाव का स्वामी, जो त्रिकोण है — आपके लिए कार्यात्मक शुभ ग्रह
रुद्राक्ष मुखी	7
रत्न	Blue Sapphire
संस्कृत	Neelam
विकल्प	Amethyst or Lapis Lazuli
धातु	Silver or Iron
उंगली	Middle finger
हाथ	Right
भार	5–7 carats
दिन	शनिवार
समय	After sunset
मंत्र	ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनये नमः
जप	23000

शुक्र

भूमिका	Lucky Stone
नियम भाव	5
उद्देश्य	आपके 5वें भाव के स्वामी को बल देता है — बुद्धि, रचनात्मकता, संतान और वह भाग्य जो आप कर्म से बनाते हैं
सलाह दी गई	हाँ

निर्णय

अनुशंसित, और यही वह स्थिति है जिसमें यह सबसे अधिक सहायता करता है। शुक्र कन्या में नीच का है, इसलिए इसके स्वामित्व वाला भाव अपनी क्षमता से कम कार्य करता है; रत्न वह देता है जो राशि इसे नहीं देती। मुख्य रत्न अपनाने से पहले छह सप्ताह तक उपरत्न से आरंभ करें। यह भी ध्यान दें कि शुक्र आपकी कुण्डली का योगकारक है — यह वह सर्वश्रेष्ठ कार्यात्मक भूमिका है जो यहाँ कोई ग्रह निभा सकता है। तीनों रत्नों में से इसे सबसे पहले धारण करें।

राशि में स्थित	कन्या
भाव में स्थित	9
बल	नीच
वक्री	नहीं
कार्यात्मक प्रकृति	योगकारक
कार्यात्मक कारण	त्रिकोण (5वें भाव) और केन्द्र (10वें भाव), दोनों का स्वामी — मकर लग्न की कुण्डली में सबसे अधिक शुभ ग्रह
रुद्राक्ष मुखी	6
रत्न	Diamond
संस्कृत	Heera
विकल्प	White Sapphire or White Zircon
धातु	Platinum, White Gold or Silver
उंगली	Middle finger
हाथ	Right
भार	0.5–1.5 carats
दिन	शुक्रवार
समय	At sunrise

मंत्र	ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः
जप	16000

बुध

भूमिका	Fortune Stone
नियम भाव	9
उद्देश्य	आपके 9वें भाव, भाग्य भाव, के स्वामी को बल देता है — भाग्य, गुरु, आस्था और बिना माँगे मिलने वाला सहयोग
सलाह दी गई	हाँ

निर्णय
अनुशंसित, यद्यपि कम तात्कालिकता के साथ। बुध पहले से ही कन्या में उच्च का है और अच्छी तरह कार्य कर रहा है; रत्न किसी दुर्बलता को सुधारने के बजाय पहले से मौजूद शक्ति को और धार देता है। छोटा रत्न पर्याप्त है।

राशि में स्थित	कन्या
भाव में स्थित	9
बल	उच्च
वक्री	नहीं
कार्यात्मक प्रकृति	शुभ ग्रह
कार्यात्मक कारण	9वें भाव का स्वामी, जो त्रिकोण है — आपके लिए कार्यात्मक शुभ ग्रह
रुद्राक्ष मुखी	4
रत्न	Emerald
संस्कृत	Panna
विकल्प	Green Onyx or Peridot
धातु	Gold
उंगली	Little finger
हाथ	Right
भार	3–6 carats
दिन	बुधवार
समय	At sunrise
मंत्र	ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः
जप	9000

भाग्य रत्न

भूमिका	Fortune Stone
ग्रह	बुध
नियम भाव	9
उद्देश्य	आपके 9वें भाव, भाग्य भाव, के स्वामी को बल देता है — भाग्य, गुरु, आस्था और बिना माँगे मिलने वाला सहयोग
सलाह दी गई	हाँ

निर्णय
अनुशंसित, यद्यपि कम तात्कालिकता के साथ। बुध पहले से ही कन्या में उच्च का है और अच्छी तरह कार्य कर रहा है; रत्न किसी दुर्बलता को सुधारने के बजाय पहले से मौजूद शक्ति को और धार देता है। छोटा रत्न पर्याप्त है।

राशि में स्थित	कन्या
भाव में स्थित	9
बल	उच्च

वक्री	नहीं
कार्यात्मक प्रकृति	शुभ ग्रह
कार्यात्मक कारण	9वें भाव का स्वामी, जो त्रिकोण है — आपके लिए कार्यात्मक शुभ ग्रह
रुद्राक्ष मुखी	4
रत्न	Emerald
संस्कृत	Panna
विकल्प	Green Onyx or Peridot
धातु	Gold
उंगली	Little finger
हाथ	Right
भार	3–6 carats
दिन	बुधवार
समय	At sunrise
मंत्र	ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः
जप	9000

तर्क

- आपके 9वें भाव — भाग्य, शास्त्रीय रूप से भाग्य का भाव — का स्वामी बुध है। सभी उपचारात्मक रत्नों में से, 9वें भाव के स्वामी से जुड़ा रत्न परंपरागत रूप से क्षमता के लिए नहीं, भाग्य के लिए पहना जाता है: यह उस पर कार्य करता है जो आपके पास आता है, न कि उस पर जो आप उत्पन्न करते हैं।
- आपकी कुण्डली में बुध 9वें भाव में कन्या राशि में स्थित है, और भाग्य वास्तव में यहीं से आता है। उस भाव के कारकत्वों को माध्यम के रूप में पढ़ें — आपके जीवन में सहायता प्रायः उसी दिशा से आती है।
- बुध उच्च का है, इसलिए 9वें भाव को पहले से ही अच्छा समर्थन प्राप्त है। रत्न सुधार के लिए नहीं, बनाए रखने के लिए पहना जाता है, और साधारण वज़न पर्याप्त है।

दान	बुधवार को हरी मूंग, हरा वस्त्र और पुस्तकें
देवता	Vishnu (and Lord Ganesha)

बचें

ग्रह	रत्न	संस्कृत	कारण	बज
गुरु	Yellow Sapphire	Pukhraj	गुरु 3रे भाव का स्वामी है — आपके लिए कार्यात्मक पाप ग्रह। पुखराज धारण करने से इसका प्रभाव और बढ़ जाएगा।	गुरु को चने की दाल हल्दी और पील वस्त्र

अनुकूल बिंदु

संख्याएँ	5, 6, 8
संख्याएँ क्यों	आपके लग्न के स्वामी (शनि) और भाग्य के 9वें भाव के स्वामी (बुध) से, आपकी कुण्डली के अन्य कार्यात्मक शुभ ग्रहों के साथ, निकाले गए।
जन्म संख्या	9
भाग्य संख्या	2

दिन

बुधवार | शुक्रवार | शनिवार

दिन क्यों	उन्हीं ग्रहों द्वारा शासित वार — कार्य आरंभ करने के स्वाभाविक दिन।

रंग

dark blue, black and charcoal | Green and turquoise

बचने वाले रंग	Yellow and gold
दिशा	दक्षिण

दिशा क्यों

मकर लग्न की शास्त्रीय दिशा। इसे नियम नहीं, केवल बराबरी की स्थिति में निर्णय करने वाला संकेत मानें — जहाँ आपके लिए स्थानांतरण रिपोर्ट की गणना की गई है, वहाँ उसकी क्रमबद्ध दिशाएँ कुण्डली के कहीं अधिक भाग पर आधारित हैं और उन्हीं को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

धातु	Iron or Steel
देवता	Vishnu (and Lord Ganesha)
योगकारक	शुक्र
योगकारक टिप्पणी	शुक्र मकर लग्न का योगकारक है — इसे बल देना आपके लिए उपलब्ध किसी भी अन्य एकल उपाय से अधिक सहायक है।
तत्व	पृथ्वी
चंद्र राशि	कन्या
चंद्र नक्षत्र	चित्रा
दान	बुधवार को हरी मूंग, हरा वस्त्र और पुस्तकें
मंत्र	ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः

प्रोटोकॉल

- प्राकृतिक और अनुपचारित रत्न ही ख़रीदें। गर्म किया हुआ या भराव वाला रत्न केवल सजावटी वस्तु है; शास्त्रीय परंपरा के अनुसार उसमें कोई उपचारात्मक प्रभाव नहीं होता, और बाज़ार में बिकने वाले अधिकांश रत्न उपचारित होते हैं।
- ख़रीदने से पहले रत्न का वज़न और मूल स्थान प्रमाणित करवाएँ, और प्रमाणपत्र सँभालकर रखें।
- पहली बार धारण करने से पहले रत्न को ऊर्जावान करें: रात भर कच्चे दूध या गंगाजल में भिगोकर रखें, फिर ग्रह के अपने वार को उस ग्रह का मंत्र बताई गई संख्या में जपें।
- इसे बताए गए दिन और उँगली में, बताए गए समय (होरा) में धारण करें, और इस प्रकार जड़वाएँ कि रत्न त्वचा को स्पर्श करे — बंद जड़ाई केवल सजावटी होती है।
- किसी भी नए रत्न का मूल्यांकन करने से पहले उसे छह से आठ सप्ताह दें, और धारण करने के बाद यदि नींद, स्वभाव या स्वास्थ्य लगातार बिगड़े तो तुरंत उतार दें।
- परस्पर शत्रु ग्रहों के दो रत्न कभी साथ न पहनें — सबसे आम उदाहरण है नीलम के साथ माणिक्य या मोती।
- इनमें से कुछ भी परामर्श का विकल्प नहीं है। रत्न कुण्डली के लिए और उस व्यक्ति के जीवन के एक विशेष समय के लिए चुना जाता है; इन दोनों में से केवल कुण्डली वाले भाग की गणना यह पृष्ठ कर सकता है।

रुद्राक्ष

सुझाव

Ek Mukhi (1 Face)

मुखी	1
ग्रह	सूर्य
देवता	Lord Shiva (Supreme Consciousness)
मंत्र	Om Hreem Namah
धारण करने का दिन	रविवार
धातु	Gold
रंग	Brown

दुर्लभता	Rare

लाभ

- नेतृत्व गुण, आत्मविश्वास और मन की स्पष्टता बढ़ाता है।
- अहंकार दूर करता है और धारक को परम चेतना से जोड़ता है।
- शक्ति, अधिकार और आध्यात्मिक मुक्ति (मोक्ष) प्रदान करता है।
- हृदय और दाहिनी आँख से जुड़े रोगों में प्रभावी।
- राजनेताओं, CEO और आध्यात्मिक नेताओं के लिए आदर्श।

किसे पहनना चाहिए	निर्बल सूर्य, मेष/सिंह लग्न या सिंह राशि के चन्द्र वाले लोगों के लिए उपयुक्त। नेतृत्व पदों पर आसीन लोगों के लिए लाभकारी।

सावधानी

अत्यंत शक्तिशाली; पहनने से पहले किसी योग्य ज्योतिषी से परामर्श लें। परंपरागत रूप से इसे लॉकेट (पेंडेंट) के रूप में पहना जाता है।

कारण	कुण्डली में सूर्य निर्बल या पीड़ित है

Do Mukhi (2 Face)

मुखी	2
ग्रह	चंद्र
देवता	Ardhanarishwara (Shiva-Shakti Unity)
मंत्र	Om Namah
धारण करने का दिन	सोमवार
धातु	Silver
रंग	Brown
दुर्लभता	Common

लाभ

- संबंधों में एकता, सामंजस्य और भावनात्मक संतुलन को बढ़ावा देता है।
- चिंता, भावनात्मक अस्थिरता और मानसिक बेचैनी कम करता है।
- संबंधों को बल देता है — विवाह, परिवार, व्यावसायिक साझेदारी।
- बाईं आँख, गुर्दे और पाचन संबंधी समस्याओं से जुड़े रोगों में लाभकारी।
- दंपतियों, परामर्शदाताओं और भावनात्मक चुनौतियों वाले लोगों के लिए आदर्श।

किसे पहनना चाहिए	निर्बल चन्द्र, कर्क लग्न या अशांत भावनात्मक जीवन वाले लोगों के लिए उपयुक्त।

सावधानी

जोड़े में पहनना सर्वोत्तम; द्वैत और एकजुटता का प्रतीक है।

कारण	कुण्डली में चन्द्र निर्बल या पीड़ित है

Teen Mukhi (3 Face)

मुखी	3
ग्रह	मंगल
देवता	अग्नि देव और भगवान ब्रह्मा
मंत्र	Om Kleem Namah
धारण करने का दिन	मंगलवार
धातु	Gold or Copper
रंग	Brown
दुर्लभता	Common

लाभ
- कर्म-चक्र और पूर्वजन्म के बोझ से मुक्त करता है।
- ऊर्जा, साहस, महत्वाकांक्षा और आत्मविश्वास बढ़ाता है।
- अवसाद, हीन भावना और आत्म-संदेह को कम करता है।
- रक्त विकार, ज्वर और पाचन संबंधी समस्याओं में लाभकारी।
- मंगल दोष या निर्बल मंगल वालों के लिए आदर्श।

किसे पहनना चाहिए	मेष/वृश्चिक लग्न, निर्बल मंगल या मंगल से जुड़ी समस्याओं से पीड़ित लोगों के लिए उपयुक्त।

सावधानी
अत्यधिक आक्रामक स्वभाव हो तो न पहनें; यह मनका मंगल की ऊर्जा को और बढ़ाता है।

कारण	अंक ज्योतिषीय मूलांक 9 है (ग्रह: मंगल)

Chaar Mukhi (4 Face)

मुखी	4
ग्रह	बुध
देवता	Lord Brahma and Goddess Saraswati
मंत्र	Om Hreem Namah
धारण करने का दिन	बुधवार
धातु	Gold
रंग	Brown
दुर्लभता	Common

लाभ
- बुद्धि, स्मरणशक्ति, वाक्चातुर्य, संवाद कौशल और रचनात्मकता बढ़ाता है।
- मन की जड़ता दूर करता है और एकाग्रता सुधारता है।
- विद्यार्थियों, लेखकों, शिक्षकों और सार्वजनिक वक्ताओं के लिए लाभकारी।
- हकलाहट, मानसिक विकारों और पक्षाघात से उबरने में सहायता करता है।
- शिक्षा, संवाद और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े लोगों के लिए आदर्श।

किसे पहनना चाहिए	मिथुन/कन्या लग्न, निर्बल बुध या संवाद से जुड़े व्यवसायों वाले लोगों के लिए उपयुक्त।

सावधानी
सर्वोत्तम फल के लिए इसे स्वच्छ रखें और नियमित रूप से ऊर्जावान करें।

कारण	चन्द्र राशि का स्वामी बुध है (चन्द्र कन्या में), कुण्डली में बुध निर्बल या पीड़ित है

Paanch Mukhi (5 Face)

मुखी	5
ग्रह	गुरु
देवता	कालाग्नि (काल और अग्नि के स्वामी) / पंचानन शिव
मंत्र	Om Hreem Namah
धारण करने का दिन	गुरुवार
धातु	Gold
रंग	Brown
दुर्लभता	Very Common

लाभ
- सबसे बहुपयोगी और सार्वभौमिक रूप से लाभकारी रुद्राक्ष।
- स्वास्थ्य, शांति, विवेक, ज्ञान और समृद्धि को बढ़ावा देता है।

- रक्त को शुद्ध करता है और रक्तचाप को नियंत्रित करता है।
- गुरु के अशुभ प्रभाव कम करता है और सकारात्मक गुणों को बढ़ाता है।
- सभी के लिए उपयुक्त — समग्र कल्याण और आध्यात्मिक उन्नति को बढ़ावा देता है।

किसे पहनना चाहिए	सार्वभौमिक — सभी के लिए उपयुक्त। धनु/मीन लग्न या निर्बल गुरु वालों के लिए विशेष रूप से लाभकारी।

सावधानी
सबसे अधिक पहना जाने वाला, और इसके प्रामाणिक नमूने सबसे आसानी से मिलते हैं।

कारण
- वर्तमान विंशोत्तरी दशा स्वामी गुरु है
- 5 मुखी रुद्राक्ष सभी के लिए सार्वभौमिक रूप से लाभकारी है — यह गुरु और समग्र कल्याण का कारक है।

Chhe Mukhi (6 Face)

मुखी	6
ग्रह	शुक्र
देवता	Lord Kartikeya (Commander of Devas)
मंत्र	Om Hreem Hum Namah
धारण करने का दिन	शुक्रवार
धातु	Silver
रंग	Brown
दुर्लभता	Common

लाभ
- विलासिता, सौंदर्य, प्रेम और भौतिक सुख-सुविधाएँ देता है।
- कलात्मक क्षमता, इच्छाशक्ति और स्थिरता बढ़ाता है।
- प्रजनन स्वास्थ्य और नेत्र रोगों में लाभकारी।
- आलस्य दूर करता है और रचनात्मक कार्यों में एकाग्रता लाता है।
- कलाकारों, संगीतकारों, डिज़ाइनरों और प्रेम की तलाश करने वालों के लिए आदर्श।

किसे पहनना चाहिए	वृषभ/तुला लग्न, निर्बल शुक्र या संबंधों और रचनात्मकता में समस्याओं का सामना कर रहे लोगों के लिए उपयुक्त।

सावधानी
परंपरागत रूप से सोमवार या शनिवार को दाहिनी भुजा पर या लॉकेट के रूप में पहना जाता है।

कारण	सूर्य राशि का स्वामी शुक्र है (सूर्य तुला में), कुण्डली में शुक्र निर्बल या पीड़ित है

Saat Mukhi (7 Face)

मुखी	7
ग्रह	शनि
देवता	अनंग (प्रेम के देवता) और महालक्ष्मी
मंत्र	Om Hum Namah
धारण करने का दिन	शनिवार
धातु	Silver or Iron
रंग	Brown
दुर्लभता	Common

लाभ
- सौभाग्य लाता है, दरिद्रता दूर करता है और समृद्धि आकर्षित करता है।
- साढ़े साती सहित शनि के अशुभ प्रभावों को कम करता है।

- आर्थिक स्थिति, धन और व्यावसायिक समृद्धि बढ़ाता है।
- पुराने रोगों और हड्डियों से जुड़े विकारों में लाभकारी।
- आर्थिक कठिनाइयों या शनि-पीड़ा का सामना कर रहे लोगों के लिए आदर्श।

किसे पहनना चाहिए	मकर/कुम्भ लग्न, साढ़े साती की अवधि या निर्बल/पापी शनि वालों के लिए उपयुक्त।

सावधानी
शनि महादशा या साढ़े साती के दौरान विशेष रूप से अनुशंसित।

कारण	लग्नेश शनि है (लग्न: मकर)

Baarah Mukhi (12 Face)

मुखी	12
ग्रह	सूर्य
देवता	भगवान सूर्य (सूर्य देव — 12 आदित्य)
मंत्र	Om Kraum Sraum Raum Namah
धारण करने का दिन	रविवार
धातु	Gold
रंग	Brown
दुर्लभता	Uncommon

लाभ
- सूर्य की ऊर्जा बिखेरता है — नेतृत्व, तेज और आत्मविश्वास।
- सूर्य के अशुभ प्रभाव दूर करता है और अधिकारपूर्ण गुणों को बढ़ाता है।
- हृदय रोग, नेत्र समस्याओं और हड्डियों के विकारों में लाभकारी।
- समाज में नाम, यश और पहचान दिलाता है।
- राजनीति, प्रशासन और प्रबंधन से जुड़े लोगों के लिए आदर्श।

किसे पहनना चाहिए	सिंह लग्न, कुण्डली में निर्बल या पीड़ित सूर्य, या नेतृत्व क्षमता बढ़ाने की आवश्यकता वालों के लिए उपयुक्त।

सावधानी
पहनते समय सूर्य को जल (अर्घ्य) अर्पित करें। रविवार को पहनें।

कारण	कुण्डली में सूर्य निर्बल या पीड़ित है

Terah Mukhi (13 Face)

मुखी	13
ग्रह	शुक्र
देवता	कामदेव (प्रेम के देवता) और भगवान इंद्र
मंत्र	Om Hreem Namah
धारण करने का दिन	शुक्रवार
धातु	Gold
रंग	Brown
दुर्लभता	Rare

लाभ
- भौतिक इच्छाएँ, सांसारिक सुख और आध्यात्मिक ज्ञान पूर्ण करता है।
- चुंबकीय व्यक्तित्व, काम-ऊर्जा और रूमानी आकर्षण बढ़ाता है।
- व्यापार, वाणिज्य और वार्ताओं में सफलता दिलाता है।
- प्रजनन तंत्र की समस्याओं और हार्मोन संतुलन में लाभकारी।

- प्रेम, विलासिता और भौतिक सफलता चाहने वालों के लिए आदर्श।

किसे पहनना चाहिए	वृषभ/तुला लग्न, निर्बल शुक्र या प्रेम और संबंधों में चुनौतियों का सामना कर रहे लोगों के लिए उपयुक्त।

सावधानी
दुर्लभ और शक्तिशाली — स्पष्ट उद्देश्य के साथ प्रयोग करें। नकारात्मक उद्देश्यों के लिए न पहनें।

कारण	सूर्य राशि का स्वामी शुक्र है (सूर्य तुला में), कुण्डली में शुक्र निर्बल या पीड़ित है

Chaudah Mukhi (14 Face)

मुखी	14
ग्रह	शनि
देवता	भगवान हनुमान और भगवान शिव (देव मणि)
मंत्र	Om Namah
धारण करने का दिन	शनिवार
धातु	Gold
रंग	Brown
दुर्लभता	Very Rare

लाभ
- इसे 'देव मणि' कहा जाता है — देवताओं का रत्न; अत्यंत दुर्लभ और शक्तिशाली।
- अंतर्ज्ञान, दूरदर्शिता और निर्णय-क्षमता बढ़ाता है।
- बुरी आत्माओं, काले जादू और नकारात्मक प्रभावों से रक्षा करता है।
- व्यावसायिक निर्णयों और रणनीतियों में दैवी मार्गदर्शन देता है।
- नेताओं, निर्णयकर्ताओं और आध्यात्मिक पथ पर चलने वालों के लिए आदर्श।

किसे पहनना चाहिए	दैवी मार्गदर्शन, रक्षा और बढ़े हुए अंतर्ज्ञान की आवश्यकता वालों के लिए उपयुक्त। आध्यात्मिक साधकों के लिए सर्वोत्तम।

सावधानी
अत्यंत दुर्लभ और महँगा। ख़रीदने से पहले इसकी प्रामाणिकता सावधानी से जाँच लें।

कारण	लग्नेश शनि है (लग्न: मकर)

कुल अनुशंसित	10

प्राथमिक

मुखी	1
नाम	Ek Mukhi (1 Face)
ग्रह	सूर्य
देवता	Lord Shiva (Supreme Consciousness)
मंत्र	Om Hreem Namah
धारण करने का दिन	रविवार
धातु	Gold
रंग	Brown
दुर्लभता	Rare

लाभ
- नेतृत्व गुण, आत्मविश्वास और मन की स्पष्टता बढ़ाता है।

- अहंकार दूर करता है और धारक को परम चेतना से जोड़ता है।
- शक्ति, अधिकार और आध्यात्मिक मुक्ति (मोक्ष) प्रदान करता है।
- हृदय और दाहिनी आँख से जुड़े रोगों में प्रभावी।
- राजनेताओं, CEO और आध्यात्मिक नेताओं के लिए आदर्श।

किसे पहनना चाहिए	निर्बल सूर्य, मेष/सिंह लग्न या सिंह राशि के चन्द्र वाले लोगों के लिए उपयुक्त। नेतृत्व पदों पर आसीन लोगों के लिए लाभकारी।

सावधानी
अत्यंत शक्तिशाली; पहनने से पहले किसी योग्य ज्योतिषी से परामर्श लें। परंपरागत रूप से इसे लॉकेट (पेंडेंट) के रूप में पहना जाता है।

कारण	कुण्डली में सूर्य निर्बल या पीड़ित है

आधार

लग्न राशि	मकर
चंद्र राशि	कन्या
सूर्य राशि	तुला
दशा स्वामी	गुरु
जन्म तिथि	1990-10-18

कमजोर ग्रह
सूर्य | चंद्र | बुध | शुक्र

योग

ज्ञात	70

प्रधान

Hamsa Yoga

श्रेणी	Panch Mahapurusha
विवरण	गुरु कर्क में (भाव 7) — स्वराशि/उच्च, केन्द्र।
विवरण	गुरु किसी केन्द्र भाव में स्वराशि (धनु/मीन) या उच्च राशि (कर्क) में।
प्रभाव	ज्ञानी, सद्गुणी, सुंदर, कमल समान चरण। राजपरिवार द्वारा सम्मानित। धर्मनिष्ठ और समृद्ध। आयु 82 वर्ष।
शक्ति	Strong
समूह	Panch maha

Venus — Yoga Karaka

श्रेणी	Yoga Karaka
विवरण	मकर लग्न के लिए शुक्र भाव 10 (केन्द्र) + 5 (त्रिकोण) का स्वामी है। वर्तमान में कन्या (भाव 9) में स्थित।
विवरण	एक साथ केन्द्र (चतुर्थ/सप्तम/दशम) और त्रिकोण (पंचम/नवम) दोनों का स्वामी ग्रह परम योगकारक बन जाता है — मकर लग्न के लिए सर्वाधिक शुभ ग्रह।
प्रभाव	सबसे शक्तिशाली राजयोग-दाता। जब योगकारक की दशा चलती है, तब जीवन, धन, प्रतिष्ठा में ज़बरदस्त उन्नति और इच्छाओं की पूर्ति होती है।
शक्ति	Strong
समूह	Yoga karakas

राजयोग — चन्द्र (7वें भाव का स्वामी) + शुक्र (5वें भाव का स्वामी)

श्रेणी	Raj Yoga
विवरण	चन्द्र (7वें भाव का स्वामी, कन्या/H9 में) और शुक्र (5वें भाव का स्वामी, कन्या/H9 में) युति हैं।
विवरण	7वें भाव (केन्द्र) के स्वामी का 5वें भाव (त्रिकोण) के स्वामी से संबंध शास्त्रीय राजयोग बनाता है।
प्रभाव	प्रतिष्ठा, अधिकार, धन, मान्यता। इनकी संयुक्त दशा अवधियों में शक्तिशाली।
शक्ति	Strong
समूह	राज योग

राजयोग — चन्द्र (7वें भाव का स्वामी) + बुध (9वें भाव का स्वामी)

श्रेणी	Raj Yoga
विवरण	चन्द्र (7वें भाव का स्वामी, कन्या/H9 में) और बुध (9वें भाव का स्वामी, कन्या/H9 में) युति हैं।
विवरण	7वें भाव (केन्द्र) के स्वामी का 9वें भाव (त्रिकोण) के स्वामी से संबंध शास्त्रीय राजयोग बनाता है।
प्रभाव	प्रतिष्ठा, अधिकार, धन, मान्यता। इनकी संयुक्त दशा अवधियों में शक्तिशाली।
शक्ति	Strong
समूह	राज योग

राजयोग — शुक्र (10वें और 5वें भाव का स्वामी)

श्रेणी	Raj Yoga
विवरण	शुक्र 10वें (केन्द्र) और 5वें (त्रिकोण) दोनों भावों का स्वामी है। कन्या (भाव 9) में स्थित।
विवरण	केन्द्र और त्रिकोण दोनों का स्वामी ग्रह शक्तिशाली राजयोग देता है।
प्रभाव	पद, धन, अधिकार में उन्नति। इसकी दशा/अन्तर्दशा में प्रबल।
शक्ति	Strong
समूह	राज योग

राजयोग — शुक्र (10वें भाव का स्वामी) + बुध (9वें भाव का स्वामी)

श्रेणी	Raj Yoga
विवरण	शुक्र (10वें भाव का स्वामी, कन्या/H9 में) और बुध (9वें भाव का स्वामी, कन्या/H9 में) युति हैं।
विवरण	10वें भाव (केन्द्र) के स्वामी का 9वें भाव (त्रिकोण) के स्वामी से संबंध शास्त्रीय राजयोग बनाता है।
प्रभाव	प्रतिष्ठा, अधिकार, धन, मान्यता। इनकी संयुक्त दशा अवधियों में शक्तिशाली।
शक्ति	Strong
समूह	राज योग

नीचभंग राजयोग — सूर्य

श्रेणी	Neecha Bhanga Raj Yoga

विवरण
सूर्य तुला में नीच का (भाव 10)। भंग: शुक्र (उसकी राशि का स्वामी) चन्द्र से केन्द्र में (चन्द्र से 1ले भाव में); शनि (वहाँ उच्च का) चन्द्र से केन्द्र में (चन्द्र से 4थे भाव में)।

विवरण	सूर्य तुला में नीच है। जब नीचत्व भंग होता है, तो ग्रह अत्यंत शक्तिशाली हो जाता है — नीचभंग राजयोग बनता है।
प्रभाव	बनने पर: जीवन, धन और अधिकार में ज़बरदस्त उन्नति। जातक साधारण शुरुआत से महान ऊँचाइयों तक पहुँचता है, विशेषकर उस ग्रह की दशा में।

शक्ति	Strong
समूह	Neecha bhanga

नीचभंग राजयोग — शुक्र

श्रेणी	Neecha Bhanga Raj Yoga

विवरण
शुक्र कन्या में नीच का (भाव 9)। भंग: बुध (उसकी राशि का स्वामी और वहाँ उच्च का) चन्द्र से केन्द्र में (चन्द्र से 1ले भाव में); बुध (उसकी राशि का स्वामी और वहाँ उच्च का) कन्या में उसके साथ युति में।

विवरण	शुक्र कन्या में नीच है। जब नीचत्व भंग होता है, तो ग्रह अत्यंत शक्तिशाली हो जाता है — नीचभंग राजयोग बनता है।
प्रभाव	बनने पर: जीवन, धन और अधिकार में ज़बरदस्त उन्नति। जातक साधारण शुरुआत से महान ऊँचाइयों तक पहुँचता है, विशेषकर उस ग्रह की दशा में।
शक्ति	Strong
समूह	Neecha bhanga

Chandra-Budha Yoga

श्रेणी	Special Yoga
विवरण	चन्द्र कन्या में (भाव 9), बुध कन्या में (भाव 9)।
विवरण	चन्द्र और बुध की युति — बुद्धिमान, कल्पनाशील, कलात्मक योग।
प्रभाव	तीक्ष्ण बुद्धि, अच्छी स्मरणशक्ति, लेखन कौशल, भावनात्मक बुद्धिमत्ता। संचार क्षेत्र में सफलता।
शक्ति	Strong
समूह	Special yogas

Saraswati Yoga

श्रेणी	Special Yoga
विवरण	बुध (भाव 9), गुरु (भाव 7), शुक्र (भाव 9)। सभी केन्द्र/त्रिकोण/द्वितीय में ✓। गुरु स्वराशि/उच्च ✓।
विवरण	बुध, शुक्र, गुरु सभी केन्द्र, त्रिकोण या 2रे भाव में; गुरु स्वराशि/उच्च में।
प्रभाव	विद्वान, कवि, दार्शनिक। देवी सरस्वती का आशीर्वाद। ज्ञान, वाक्पटुता, ललित कलाएँ।
शक्ति	Strong
समूह	Special yogas

Saturn — Lagna Lord

श्रेणी	Yoga Karaka
विवरण	मकर लग्न के लिए लग्नेश शनि। धनु (भाव 12) में स्थित।

विवरण
लग्नेश सदैव कुण्डली का सबसे महत्वपूर्ण ग्रह होता है। 1ले भाव (जो केन्द्र और त्रिकोण दोनों है) का स्वामी होने के कारण यह स्वयं, स्वास्थ्य और जीवन की समग्र दिशा का प्रतिनिधित्व करता है।

प्रभाव	बलवान और शुभ स्थिति वाला लग्नेश स्वास्थ्य, दीर्घायु, अच्छा चरित्र और सभी प्रयासों में सफलता देता है। दुर्बल लग्नेश स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियाँ दर्शाता है।
शक्ति	Moderate
समूह	Yoga karakas

Gaja-Kesari Dhana variant

श्रेणी	Dhana Yoga

विवरण	गुरु (भाव 7) और चन्द्र (भाव 9) दोनों केन्द्र/त्रिकोण में।
विवरण	गुरु और चन्द्र दोनों केन्द्र या त्रिकोण में — गजकेसरी योग का प्रबल धन रूप।
प्रभाव	ज्ञान और संपर्कों से धनवान। लोकप्रिय और समृद्ध। सलाहकारों/गुरुओं से लाभ।
शक्ति	Moderate
समूह	Dhana yogas

Voshi Yoga

श्रेणी	Surya Yoga
विवरण	सूर्य से द्वादश भाव (भाव 9) में ग्रह: बुध, शुक्र।
विवरण	सूर्य से 12वें भाव में चन्द्र के अतिरिक्त कोई ग्रह।
प्रभाव	सत्यवादी, ज्ञानी, सुखी, सम्मानित, स्थिर। परिश्रम से पहचान।
शक्ति	Moderate
समूह	Surya yogas

Guru-Chandal Yoga (Jupiter+Ketu)

श्रेणी	Special Yoga
विवरण	गुरु कर्क (भाव 7) में, केतु भाव 7 में।
विवरण	गुरु की केतु से युति — अपारंपरिक ज्ञान, विदेशी गुरु, विवादास्पद मान्यताएँ।
प्रभाव	अपरंपरागत विस्तार, विदेशी संबंध, आध्यात्मिक विद्रोह। मिश्रित परिणाम।
शक्ति	मिश्रित
समूह	Special yogas

सहायक

कर्माजीव — 10वें भाव में सूर्य (सरकार/अधिकार)

श्रेणी	Karmajiva Yoga
विवरण	सूर्य भाव 10 में (तुला)।
विवरण	सूर्य 10वें भाव में — सरकार, प्रशासन, राजपरिवार या अधिकार के माध्यम से करियर।
प्रभाव	सरकारी नौकरी, राजनीति, प्रशासन, चिकित्सा (शल्य चिकित्सा), बैंकिंग। अधिकार और नेतृत्व की भूमिका।
शक्ति	Strong
समूह	Karmajiva yogas

शुभ-कर्माजीव योग — 10वें भाव का स्वामी शुभ ग्रह के साथ

श्रेणी	Karmajiva Yoga
विवरण	दशमेश शुक्र भाव 9 में बुध के साथ।
विवरण	10वें भाव के स्वामी की किसी नैसर्गिक शुभ ग्रह से युति — शुभ करियर योग।
प्रभाव	प्रतिष्ठित व्यवसाय, सम्मानित करियर, कार्य से आर्थिक लाभ। धर्मसम्मत आजीविका।
शक्ति	Strong
समूह	Karmajiva yogas

अरिष्ट-भंग योग (चन्द्र से केन्द्र में शुभ ग्रह)

श्रेणी	Longevity Extended
विवरण	चन्द्र (राशि 6) से केन्द्र में शुभ ग्रह: बुध, शुक्र।
विवरण	चन्द्र से केन्द्र में नैसर्गिक शुभ ग्रह — अरिष्ट का प्राथमिक भंग।

प्रभाव	संकट या बालारिष्ट बहुत कम हो जाता है। शुभ ग्रह चन्द्र और जातक की रक्षा करता है। प्रतिकूल संकेतों के बावजूद जीवन चलता रहता है। रक्षक और जीवन-पोषक।
शक्ति	Strong
समूह	Longevity extended

Arishta-Bhanga Yoga (Jupiter Aspects Lagna/Moon)

श्रेणी	Longevity Extended
विवरण	गुरु की लग्न पर दृष्टि: हाँ; गुरु की चन्द्र पर दृष्टि: नहीं।
विवरण	लग्न या चन्द्र पर गुरु की दृष्टि जीवन-घातक अरिष्टों को भंग करती है।

प्रभाव
गुरु की रक्षक दृष्टि जीवन के संकट को बहुत कम कर देती है। बालारिष्ट उपस्थित होने पर भी गुरु की दृष्टि दैवी रक्षा प्रदान करती है। प्रतिकूल संयोगों के बावजूद जातक जीवित रहता है और फलता-फूलता है।

शक्ति	Strong
समूह	Longevity extended

अरिष्ट-भंग योग (केन्द्र में उच्च ग्रह)

श्रेणी	Longevity Extended
विवरण	केन्द्र में उच्च ग्रह: गुरु।
विवरण	केन्द्र भाव में स्थित उच्च ग्रह बालारिष्ट और अरिष्ट योगों को भंग करता है।
प्रभाव	केन्द्र में उच्च ग्रह की शक्ति जीवन के सभी संकटों पर विजय पाती है। जातक सुरक्षित और धन्य होता है। अन्य संकेतों के बावजूद लंबा स्वस्थ जीवन सुनिश्चित है।
शक्ति	Strong
समूह	Longevity extended

Raja Yoga (L4-L5 in Kendra/Trikona)

श्रेणी	Raja Yoga Extended
विवरण	चतुर्थेश=मंगल, पंचमेश=शुक्र केन्द्र/त्रिकोण में: हाँ।
विवरण	4थे और 5वें भाव के स्वामी दोनों केन्द्र या त्रिकोण में (BPHS अध्याय 41)।
प्रभाव	सुख, शिक्षा और बुद्धि का संयोग। संपत्ति और वाहन प्राप्त होते हैं। संतान सम्मान दिलाती है। विद्वत्तापूर्ण और सुखी जीवन।
शक्ति	Strong
समूह	Raj yoga extended

सर्वार्थ चिंतामणि राजयोग (केन्द्र में गुरु + L9)

श्रेणी	Raja Yoga Extended
विवरण	गुरु केन्द्र में: हाँ; नवमेश (बुध) केन्द्र या त्रिकोण में: हाँ।
विवरण	गुरु केन्द्र में, और 9वें भाव का स्वामी केन्द्र या त्रिकोण में (सर्वार्थ चिंतामणि अध्याय 9)।
प्रभाव	ज्ञान और भाग्य का संयोग। गुरु का आशीर्वाद करियर की सफलता के रूप में प्रकट होता है। शिक्षक, सलाहकार, न्यायाधीश या धार्मिक अधिकारी। उच्च सामाजिक प्रतिष्ठा।
शक्ति	Strong
समूह	Raj yoga extended

जैमिनी राज योग (AK+AmK केन्द्र/त्रिकोण में)

श्रेणी	Raja Yoga Extended
विवरण	आत्मकारक=बुध केन्द्र/त्रिकोण में: हाँ; अमात्यकारक=चन्द्र भी इसी प्रकार।
विवरण	आत्मकारक और अमात्यकारक दोनों केन्द्र या त्रिकोण में (जैमिनी पद्धति)।

प्रभाव	आत्मा और करियर के कारक दोनों बलवान। जैमिनी का सबसे शक्तिशाली राज योग। व्यक्ति सर्वोच्च भाग्य प्राप्त करता है। राजनीतिक या आध्यात्मिक नेतृत्व।
शक्ति	Strong
समूह	Raj yoga extended

Jaimini Raja Yoga (AK+AmK Conjunct)

श्रेणी	Raja Yoga Extended
विवरण	आत्मकारक=बुध की अमात्यकारक=चन्द्र से युति: हाँ।
विवरण	आत्मकारक और अमात्यकारक एक ही भाव में युत (जैमिनी)।
प्रभाव	आत्मा और व्यवसाय पूर्णतः एकरूप। व्यक्ति स्वाभाविक रूप से महानता प्राप्त करता है। दृढ़ एकाग्रता और संकल्प सर्वोच्च सफलता की ओर ले जाते हैं।
शक्ति	Strong
समूह	Raj yoga extended

Dhana Yoga (L9+L5 Conjunct)

श्रेणी	Dhana Extended
विवरण	नवमेश (बुध) और पंचमेश (शुक्र) की युति: हाँ।
विवरण	नवमेश और पंचमेश एक ही भाव में एक साथ।
प्रभाव	भाग्य और बुद्धि मिलकर धन देते हैं। सट्टा, संतान और पूर्व पुण्य कर्मों से लाभ। प्रायः युवावस्था के आरंभ से ही धनवान।
शक्ति	Strong
समूह	Dhana extended

Parakrama Yoga (Courage)

श्रेणी	Sibling Yogas
विवरण	तृतीयेश (गुरु) केन्द्र में स्वराशि/उच्च: हाँ।
विवरण	तृतीयेश स्वराशि/उच्च में होकर केन्द्र भाव में।
प्रभाव	असाधारण साहस, पराक्रम और उद्यम। व्यक्ति कार्य में निर्भीक होता है। पहल करता है, चुनौतियों का सीधा सामना करता है। व्यक्तिगत वीरता से उपलब्धियाँ।
शक्ति	Strong
समूह	Sibling yogas

सरस्वती योग (सर्वोच्च ज्ञान और कलाएँ)

श्रेणी	Knowledge & Skill Yogas
विवरण	गुरु शुभ भाव में: हाँ; शुक्र शुभ भाव में: हाँ; बुध शुभ भाव में: हाँ।
विवरण	गुरु, शुक्र, बुध तीनों केन्द्र, त्रिकोण या 2रे भाव में।

प्रभाव
असाधारण विद्या, वाक्पटुता, कलात्मक प्रतिभा और ज्ञान प्रदान करता है। व्यक्ति कला, विज्ञान और साहित्य में उत्कृष्टता प्राप्त करता है। बौद्धिक प्रतिभा के लिए पहचाना जाता है। ज्ञान से जुड़े सबसे शुभ योगों में से एक।

शक्ति	Strong
समूह	Knowledge skill yogas

ज्योतिषिक योग 1 (ज्योतिषीय प्रतिभा V1)

श्रेणी	Knowledge & Skill Yogas
विवरण	केन्द्र में गुरु: हाँ; केन्द्र में केतु: हाँ।
विवरण	गुरु और केतु दोनों केन्द्रों में — ज्योतिषीय और गूढ़ ज्ञान।

प्रभाव	ज्योतिष, भविष्यकथन और गूढ़ विद्याओं के प्रति स्वाभाविक योग्यता। केतु छिपे प्रतिरूपों की अंतर्ज्ञानपूर्ण समझ देता है; गुरु दार्शनिक ढाँचा देता है।
शक्ति	Strong
समूह	Knowledge skill yogas

काव्यालंकार योग (काव्य और साहित्यिक प्रतिभा)

श्रेणी	Knowledge & Skill Yogas
विवरण	1/5/9 भाव में शुक्र: हाँ; 1/5/9 भाव में बुध: हाँ।
विवरण	त्रिकोण भावों में शुक्र और बुध — काव्य और साहित्यिक उत्कृष्टता।

प्रभाव
काव्य, रचनात्मक लेखन या साहित्यिक कलाओं में असाधारण क्षमता। शुक्र अभिव्यक्ति का सौंदर्य देता है; बुध भाषाई कौशल देता है। प्रसिद्ध कवि, लेखक या साहित्यकार बन सकते हैं।

शक्ति	Strong
समूह	Knowledge skill yogas

Shabdhashastra Yoga (Linguistic Mastery)

श्रेणी	Knowledge & Skill Yogas
विवरण	बुध उच्च: हाँ; गुरु बली: हाँ।
विवरण	बुध उच्च, गुरु बलवान — भाषा और भाषाविज्ञान पर अधिकार।
प्रभाव	भाषा, व्याकरण और भाषाविज्ञान पर अधिकार। अनेक भाषाएँ सीखने की क्षमता। संवाद, शिक्षण और भाषा-विज्ञान में उत्कृष्टता।
शक्ति	Strong
समूह	Knowledge skill yogas

राज संबंध योग 2 (राजसी संबंध V2)

श्रेणी	Raja Sambandha Yogas
विवरण	नवमेश (बुध) और दशमेश (शुक्र) की युति: हाँ।
विवरण	9वें और 10वें भाव के स्वामियों की युति — धर्म से जुड़े राजसी संबंध (BPHS 42/2)।

प्रभाव
व्यक्ति का भाग्य और करियर शक्तिशाली संरक्षकों से गहराई से जुड़े होते हैं। सरकार, कुलीन वर्ग या उच्च-प्रतिष्ठा वाले संबंधों से सफलता। 9वें-10वें भाव के स्वामियों की युति अपने आप में भी एक शक्तिशाली राजयोग है।

शक्ति	Strong
समूह	Raja sambandha yogas

राज संबंध योग 3 (राजसी संबंध V3)

श्रेणी	Raja Sambandha Yogas
विवरण	केन्द्र/त्रिकोण में सूर्य: हाँ; केन्द्र/त्रिकोण में गुरु: हाँ।
विवरण	सूर्य और गुरु दोनों केन्द्र या त्रिकोण में — राजसी सम्मान और अधिकार (BPHS 42/3)।

प्रभाव
शक्तिशाली वर्गों से उच्च सम्मान, अधिकार और आदर। शुभ स्थिति में सूर्य और गुरु राजकृपा और सरकारी मान्यता देते हैं। व्यक्ति अभिजात सामाजिक वर्गों में उठता-बैठता है।

शक्ति	Strong
समूह	Raja sambandha yogas

Aputra Yoga

श्रेणी	Children Yoga
विवरण	पंचमेश (शुक्र) अशुभ स्थिति में: हाँ; पंचम में पाप ग्रहों का प्रभुत्व: हाँ।
विवरण	5वें भाव का स्वामी दुर्बल स्थिति में, 5वें भाव में पाप ग्रहों का प्रभुत्व और गुरु त्रिकोण में नहीं।
प्रभाव	पुत्र संतान का अभाव या संतानहीनता। संतान-सुख के बिना रहना पड़ता है। इसके स्थान पर आध्यात्मिक क्षतिपूर्ति मिल सकती है। उपायों की प्रबल सलाह।
शक्ति	चुनौतीपूर्ण
समूह	Children yogas

सावधानीपूर्ण

दरिद्र योग — 1ले/2रे भाव का स्वामी दुःस्थान में

श्रेणी	Daridra Yoga
विवरण	लग्नेश शनि भाव 12 में (दुःस्थान), द्वितीयेश शनि भाव 12 में (दुःस्थान)।
विवरण	1ले या 2रे भाव का स्वामी दुःस्थान (6,8,12) में — निर्धनता सूचक योग।
प्रभाव	आर्थिक संघर्ष, ऋण, धन संचय में कठिनाई। धन के लिए कठोर परिश्रम करना पड़ता है।
शक्ति	चुनौतीपूर्ण
समूह	Daridra yogas

Lagna Lord in Dusthana

श्रेणी	Arishta Yoga
विवरण	लग्नेश शनि भाव 12 में (दुःस्थान)।
विवरण	लग्नेश 6ठे, 8वें या 12वें भाव में स्थित — स्वास्थ्य और जीवनशक्ति संबंधी चुनौतियाँ।
प्रभाव	स्वास्थ्य समस्याएँ, विदेश यात्रा या निवास, आध्यात्मिक खोज, गुप्त शत्रु।
शक्ति	चुनौतीपूर्ण
समूह	Arishta yogas

Graha Yuddha (Planetary War)

श्रेणी	Arishta Yoga
विवरण	ग्रह युद्ध के जोड़े: बुध बनाम शुक्र (1.00°)।
विवरण	एक-दूसरे से 1° के भीतर दो ग्रह (सूर्य/चन्द्र को छोड़कर) युद्ध करते हैं — पराजित ग्रह निर्बल होता है।
प्रभाव	पराजित ग्रह (कम शर या कम अंश वाला) अपनी दशा में कम फल देता है।
शक्ति	चुनौतीपूर्ण
समूह	Arishta yogas

राजभ्रष्ट योग (उच्च पद से पतन)

श्रेणी	Health & Disease Yoga
विवरण	दशमेश (शुक्र) नीच: हाँ; दशम में पाप ग्रह: सूर्य; लग्नेश निर्बल: हाँ।
विवरण	10वें भाव का स्वामी नीच का, 10वें भाव में पाप ग्रह और लग्नेश निर्बल।

प्रभाव
उच्च स्थिति या पद से पतन। भाग्य का अचानक पलटना। कभी प्रतिष्ठित रहा व्यक्ति शत्रुओं या परिस्थितियों के कारण पद खो देता है। निचले स्तर से पुनः निर्माण करना पड़ता है।

शक्ति	चुनौतीपूर्ण
समूह	Health disease yogas

Dhana Nashta Yoga

श्रेणी	Daridra Yoga — Extended
विवरण	भाव 2 का स्वामी (शनि) भाव 12 में (दुःस्थान ✓)।
विवरण	L2 6ठे/8वें/12वें भाव में (धनेश दुःस्थान में)
प्रभाव	धन और परिवार का स्वामी पीड़ित — आर्थिक हानि, ऋण, पारिवारिक कठिनाई।
शक्ति	चुनौतीपूर्ण
समूह	Daridra extended

Chandala Yoga (Guru-Chandala)

श्रेणी	Daridra Yoga — Extended
विवरण	गुरु की राहु से युति: नहीं; गुरु की केतु से युति: हाँ।
विवरण	गुरु की राहु या केतु से युति — गुरु-चांडाल योग।

प्रभाव
दूषित ज्ञान या बिगड़े गुरु-शिष्य संबंध। गलत गुरुओं का अनुसरण कर सकता है या झूठे ज्ञान से भ्रमित हो सकता है। सही निर्णय-क्षमता धुँधली हो जाती है। धर्म संबंधी भ्रम। गुरु के उपाय आवश्यक हैं।

शक्ति	चुनौतीपूर्ण
समूह	Daridra extended

योगज आयु 2 (प्रारंभिक बाल्यावस्था का जोखिम, आयु 4)

श्रेणी	Yogaristha Yogas
विवरण	लग्न में राहु: हाँ; पंचम भाव में मंगल: हाँ।
विवरण	राहु 1ले भाव में, मंगल 5वें भाव में — प्रारंभिक बाल्यावस्था में संकट का संकेतक।

प्रभाव
प्रारंभिक बाल्यावस्था में संकट का शास्त्रीय संकेतक (लगभग आयु 4)। प्रारंभिक वर्षों में सुरक्षात्मक उपाय आवश्यक। मंगल-राहु संयोग अंगारक-प्रकार की चुनौतियाँ उत्पन्न करता है।

शक्ति	चुनौतीपूर्ण
समूह	Yogaristha yogas

Khalvata Yoga 3 (Baldness V3)

श्रेणी	Eye-Ear-Speech Doshas
विवरण	प्रथम भाव में राहु, कोई शुभ ग्रह नहीं: हाँ।
विवरण	लग्न में राहु बिना किसी शुभ ग्रह के — बालों सहित असामान्य शारीरिक विशेषताएँ।

प्रभाव
असामान्य शारीरिक विशेषताएँ, जिनमें बाल झड़ने की प्रवृत्ति भी शामिल है। शुभ ग्रह के शमनकारी प्रभाव के बिना लग्न में राहु विशिष्ट, असामान्य शारीरिक रूप-रंग दे सकता है।

शक्ति	मिश्रित
समूह	Eye ear speech yogas

वर्जित · प्रधान	0
वर्जित · सहायक	2
वर्जित · सावधानीपूर्ण	0

नोट
इस कुण्डली पर एक हज़ार से अधिक शास्त्रीय योगों का परीक्षण किया गया और 70 मेल खाए। यह संख्या भाग्य का माप नहीं है — अधिकांश कुण्डलियाँ कई सौ योगों से मेल खाती हैं, क्योंकि शास्त्रीय साहित्य लगभग हर ग्रह-स्थिति के लिए किसी योग का नाम देता है। आगे केवल वे योग दिए गए हैं जिनका महत्व है, सबसे प्रबल पहले।

सावधानी नोट
शास्त्रीय ग्रंथ प्रतिकूल योगों का उल्लेख उतनी ही सहजता से करते हैं जितना अनुकूल योगों का, और कोई कुण्डली लगभग हमेशा दोनों में से कुछ से मेल खाती है — यह कुण्डली दीर्घायु और अल्पायु दोनों के योगों से एक साथ मेल खाती है। इन्हें ऐसी प्रवृत्तियाँ मानें जिन्हें कुण्डली का शेष भाग या तो समर्थन देता है या निरस्त करता है, अपने-आप में कभी निर्णय नहीं। भंग (निरस्तीकरण) अपवाद नहीं बल्कि नियम है, और उसका मूल्यांकन ही ज्योतिषी का काम है।

ग्रह फल

लग्न	मकर

ग्रह

सूर्य

राशि	तुला
भाव	10
अंश	0.995
नक्षत्र	चित्रा
पद	3
बल	नीच
वक्री	नहीं
अस्त	नहीं
नियम	8
कारक	आत्मकारक, आत्मा का कारक
दर्शाता है	आत्म, पिता, अधिकार और जीवनशक्ति
साथी	—
द्वारा दृष्ट	—
शक्ति	30
शक्ति सूचक	Weak

फलादेश
- सूर्य आत्म, पिता, अधिकार और जीवनशक्ति का प्रतिनिधित्व करता है, और यह आत्मकारक, आत्मा का कारक है। आपकी कुण्डली में यह तुला में, 10वें भाव में स्थित है।
- वहाँ यह अपनी सबसे दुर्बल राशि में है, तथा कूटनीति और तुलनात्मक दृष्टि से कार्य करता है। यहाँ यह धारा के विपरीत कार्य करता है। इससे इसके कारकत्व निरस्त नहीं होते — इसका अर्थ है कि वे फल धीरे-धीरे बनते हैं और प्रायः जीवन के पूर्वार्ध की अपेक्षा उत्तरार्ध में बेहतर होते हैं।
- 10वें भाव वह स्थान है जहाँ यह ग्रह अपनी ऊर्जा लगाता है, इसलिए इसके अधीन विषय आप तक इन माध्यमों से पहुँचते हैं: करियर, प्रतिष्ठा, वरिष्ठ अधिकारी और सार्वजनिक कर्तव्य। यही वह व्यावहारिक माध्यम है जिस पर नज़र रखनी चाहिए।
- सूर्य आपके लिए 8वें भाव का भी स्वामी है, जिससे यह उथल-पुथल के लिए उत्तरदायी बनता है। इसलिए ऊपर बताई गई इसकी स्थिति जितना इसके अपने बारे में बताती है, उतना ही उस क्षेत्र के बारे में भी।

निर्णय
सूर्य निर्बल है (30/100)। यहाँ इसके कारकत्व सहज नहीं मिलते, उन्हें बनाना पड़ता है, और इसकी दशाएँ ऐसी हैं जिनके अनुसार योजना बनानी चाहिए, न कि उनसे उपहारों की अपेक्षा करनी चाहिए।

चंद्र

राशि	कन्या
भाव	9
अंश	27.8767
नक्षत्र	चित्रा
पद	2

बल	सम
वक्री	नहीं
अस्त	हाँ
नियम	7
कारक	मनःकारक, मन का कारक
दर्शाता है	मन, माता, भावना और जनसामान्य

साथी

बुध शुक्र

द्वारा दृष्ट

ग्रह	दृष्टि	प्रकृति
शनि	10th	Malefic
राहु	9th	Malefic

शक्ति	49
शक्ति सूचक	Under pressure

फलादेश

- चन्द्र मन, माता, भावना और जनसामान्य का प्रतिनिधित्व करता है, और यह मनःकारक, मन का कारक है। आपकी कुण्डली में यह कन्या में, 9वें भाव में स्थित है।
- वहाँ यह बिना किसी विशेष सहायता या बाधा के है, तथा सटीकता और आलोचनात्मक दृष्टि से कार्य करता है। यह क्या देता है, यह बहुत हद तक इसकी संगति और इसकी दशाओं पर निर्भर करता है।
- 9वें भाव वह स्थान है जहाँ यह ग्रह अपनी ऊर्जा लगाता है, इसलिए इसके अधीन विषय आप तक इन माध्यमों से पहुँचते हैं: भाग्य, पिता, गुरु, आस्था और लंबी यात्राएँ। यही वह व्यावहारिक माध्यम है जिस पर नज़र रखनी चाहिए।
- चन्द्र आपके लिए 7वें भाव का भी स्वामी है, जिससे यह विवाह के लिए उत्तरदायी बनता है। इसलिए ऊपर बताई गई इसकी स्थिति जितना इसके अपने बारे में बताती है, उतना ही उस क्षेत्र के बारे में भी।
- चन्द्र अस्त है — सूर्य की दाहक सीमा के भीतर। इसके कारकत्व फिर भी कार्य करते हैं, पर किसी और के अधिकार में या सार्वजनिक दृष्टि से दूर, और यह जितना होना चाहिए उससे देर से अपनी पूर्ण क्षमता में आता है।
- यह 9वें भाव को बुध और शुक्र के साथ साझा करता है, इसलिए इन सबको साथ मिलाकर पढ़ा जाता है — यहाँ इनमें से कोई भी अकेले अपने फल स्पष्ट रूप से नहीं देता।
- इस पर पड़ने वाली दृष्टियाँ: शनि और राहु इस पर दबाव डालते हैं।

निर्णय

चन्द्र दबाव में है (49/100)। यहाँ इसके कारकत्व सहज नहीं मिलते, उन्हें बनाना पड़ता है, और इसकी दशाएँ ऐसी हैं जिनके अनुसार योजना बनानी चाहिए, न कि उनसे उपहारों की अपेक्षा करनी चाहिए।

मंगल

राशि	वृषभ
भाव	5
अंश	20.7878
नक्षत्र	रोहिणी
पद	4
बल	सम
वक्री	नहीं
अस्त	नहीं
नियम	4, 11
कारक	the Bhratrikaraka, significator of brothers
दर्शाता है	साहस, भाई-बहन, भूमि, ऊर्जा और संघर्ष
साथी	—

द्वारा दृष्ट

ग्रह	दृष्टि	प्रकृति
राहु	5th	Malefic

शक्ति	61
शक्ति सूचक	Workable

फलादेश

- मंगल साहस, भाई-बहन, भूमि, ऊर्जा और संघर्ष का प्रतिनिधित्व करता है, और यह भ्रातृकारक, भाइयों का कारक है। आपकी कुण्डली में यह वृषभ में, 5वें भाव में स्थित है।
- वहाँ यह बिना किसी विशेष सहायता या बाधा के है, तथा स्थिरता और अधिकार-भाव से कार्य करता है। यह क्या देता है, यह बहुत हद तक इसकी संगति और इसकी दशाओं पर निर्भर करता है।
- 5वें भाव वह स्थान है जहाँ यह ग्रह अपनी ऊर्जा लगाता है, इसलिए इसके अधीन विषय आप तक इन माध्यमों से पहुँचते हैं: संतान, बुद्धि, रचनात्मकता और सट्टा। यही वह व्यावहारिक माध्यम है जिस पर नज़र रखनी चाहिए।
- मंगल आपके लिए 4थे और 11वें भाव का भी स्वामी है, जिससे यह घर और लाभ के लिए उत्तरदायी बनता है। इसलिए ऊपर बताई गई इसकी स्थिति जितना इसके अपने बारे में बताती है, उतना ही उन क्षेत्रों के बारे में भी।
- इस पर पड़ने वाली दृष्टियाँ: राहु इस पर दबाव डालता है।

निर्णय	मंगल कार्यक्षम है (61/100)। जब इसकी दशाएँ चल रही होती हैं तब यह फल देता है, अन्यथा यह साधारण रहता है।

बुध

राशि	कन्या
भाव	9
अंश	28.34
नक्षत्र	चित्रा
पद	2
बल	उच्च
वक्री	नहीं
अस्त	हाँ
नियम	6, 9
कारक	the Buddhikaraka, significator of intellect
दर्शाता है	intelligence, speech, commerce and analysis

साथी

चंद्र · शुक्र

द्वारा दृष्ट

ग्रह	दृष्टि	प्रकृति
शनि	10th	Malefic
राहु	9th	Malefic

शक्ति	77
शक्ति सूचक	Strong

फलादेश

- बुध बुद्धि, वाणी, व्यापार और विश्लेषण का प्रतिनिधित्व करता है, और यह बुद्धिकारक, बुद्धि का कारक है। आपकी कुण्डली में यह कन्या में, 9वें भाव में स्थित है।
- वहाँ यह अपनी सर्वाधिक प्रबल स्थिति में है, तथा सटीकता और आलोचनात्मक दृष्टि से कार्य करता है। यहाँ यह स्वतंत्र रूप से कार्य करता है और उदारता से अपने फल देता है — यह आपकी कुण्डली की बेहतर स्थितियों में से एक है।

- 9वें भाव वह स्थान है जहाँ यह ग्रह अपनी ऊर्जा लगाता है, इसलिए इसके अधीन विषय आप तक इन माध्यमों से पहुँचते हैं: भाग्य, पिता, गुरु, आस्था और लंबी यात्राएँ। यही वह व्यावहारिक माध्यम है जिस पर नज़र रखनी चाहिए।
- बुध आपके लिए 6ठे और 9वें भाव का भी स्वामी है, जिससे यह काम और भाग्य के लिए उत्तरदायी बनता है। इसलिए ऊपर बताई गई इसकी स्थिति जितना इसके अपने बारे में बताती है, उतना ही उन क्षेत्रों के बारे में भी।
- बुध अस्त है — सूर्य की दाहक सीमा के भीतर। इसके कारकत्व फिर भी कार्य करते हैं, पर किसी और के अधिकार में या सार्वजनिक दृष्टि से दूर, और यह जितना होना चाहिए उससे देर से अपनी पूर्ण क्षमता में आता है।
- यह 9वें भाव को चन्द्र और शुक्र के साथ साझा करता है, इसलिए इन सबको साथ मिलाकर पढ़ा जाता है — यहाँ इनमें से कोई भी अकेले अपने फल स्पष्ट रूप से नहीं देता।
- इस पर पड़ने वाली दृष्टियाँ: शनि और राहु इस पर दबाव डालते हैं।

निर्णय	बुध आपकी कुण्डली में बली है (77/100)। इसके कारकत्वों पर भरोसा करें — यह उन स्थितियों में से एक है जो आपके पक्ष में काम कर रही हैं।

गुरु

राशि	कर्क
भाव	7
अंश	17.0494
नक्षत्र	आश्लेषा
पद	1
बल	उच्च
वक्री	नहीं
अस्त	नहीं
नियम	3, 12
कारक	पुत्रकारक और धनकारक दोनों — संतान के लिए और धन के लिए
दर्शाता है	ज्ञान, धन, संतान, धर्म और परामर्श
साथी	केतु

द्वारा दृष्ट

ग्रह	दृष्टि	प्रकृति
राहु	7th	Malefic

शक्ति	85
शक्ति सूचक	Very strong

फलादेश

- गुरु ज्ञान, धन, संतान, धर्म और परामर्श का प्रतिनिधित्व करता है, और यह पुत्रकारक और धनकारक दोनों — संतान के लिए और धन के लिए है। आपकी कुण्डली में यह कर्क में, 7वें भाव में स्थित है।
- वहाँ यह अपनी सर्वाधिक प्रबल स्थिति में है, तथा संरक्षण-भाव और भावुकता से कार्य करता है। यहाँ यह स्वतंत्र रूप से कार्य करता है और उदारता से अपने फल देता है — यह आपकी कुण्डली की बेहतर स्थितियों में से एक है।
- 7वें भाव वह स्थान है जहाँ यह ग्रह अपनी ऊर्जा लगाता है, इसलिए इसके अधीन विषय आप तक इन माध्यमों से पहुँचते हैं: विवाह, साझेदारी, ग्राहक और जनसामान्य। यही वह व्यावहारिक माध्यम है जिस पर नज़र रखनी चाहिए।
- गुरु आपके लिए 3रे और 12वें भाव का भी स्वामी है, जिससे यह पहल और व्यय के लिए उत्तरदायी बनता है। इसलिए ऊपर बताई गई इसकी स्थिति जितना इसके अपने बारे में बताती है, उतना ही उन क्षेत्रों के बारे में भी।
- यह 7वें भाव को केतु के साथ साझा करता है, इसलिए दोनों को साथ मिलाकर पढ़ा जाता है — यहाँ दोनों में से कोई भी अकेले अपने फल स्पष्ट रूप से नहीं देता।
- इस पर पड़ने वाली दृष्टियाँ: राहु इस पर दबाव डालता है।

निर्णय	गुरु आपकी कुण्डली में अत्यंत बली है (85/100)। इसके कारकत्वों पर भरोसा करें — यह उन स्थितियों में से एक है जो आपके पक्ष में काम कर रही हैं।

शुक्र

राशि	कन्या
भाव	9
अंश	27.3406
नक्षत्र	चित्रा
पद	2
बल	नीच
वक्री	नहीं
अस्त	हाँ
नियम	5, 10
कारक	कलत्रकारक, जीवनसाथी का कारक
दर्शाता है	प्रेम, सुख-सुविधा, सौंदर्य, वाहन और जीवनसाथी

साथी

चंद्र | बुध

द्वारा दृष्ट

ग्रह	दृष्टि	प्रकृति
शनि	10th	Malefic
राहु	9th	Malefic

शक्ति	30
शक्ति सूचक	Weak

फलादेश

- शुक्र प्रेम, सुख-सुविधा, सौंदर्य, वाहन और जीवनसाथी का प्रतिनिधित्व करता है, और यह कलत्रकारक, जीवनसाथी का कारक है। आपकी कुण्डली में यह कन्या में, 9वें भाव में स्थित है।
- वहाँ यह अपनी सबसे दुर्बल राशि में है, तथा सटीकता और आलोचनात्मक दृष्टि से कार्य करता है। यहाँ यह धारा के विपरीत कार्य करता है। इससे इसके कारकत्व निरस्त नहीं होते — इसका अर्थ है कि वे फल धीरे-धीरे बनते हैं और प्रायः जीवन के पूर्वार्ध की अपेक्षा उत्तरार्ध में बेहतर होते हैं।
- 9वें भाव वह स्थान है जहाँ यह ग्रह अपनी ऊर्जा लगाता है, इसलिए इसके अधीन विषय आप तक इन माध्यमों से पहुँचते हैं: भाग्य, पिता, गुरु, आस्था और लंबी यात्राएँ। यही वह व्यावहारिक माध्यम है जिस पर नज़र रखनी चाहिए।
- शुक्र आपके लिए 5वें और 10वें भाव का भी स्वामी है, जिससे यह संतान और करियर के लिए उत्तरदायी बनता है। इसलिए ऊपर बताई गई इसकी स्थिति जितना इसके अपने बारे में बताती है, उतना ही उन क्षेत्रों के बारे में भी।
- शुक्र अस्त है — सूर्य की दाहक सीमा के भीतर। इसके कारकत्व फिर भी कार्य करते हैं, पर किसी और के अधिकार में या सार्वजनिक दृष्टि से दूर, और यह जितना होना चाहिए उससे देर से अपनी पूर्ण क्षमता में आता है।
- यह 9वें भाव को चन्द्र और बुध के साथ साझा करता है, इसलिए इन सबको साथ मिलाकर पढ़ा जाता है — यहाँ इनमें से कोई भी अकेले अपने फल स्पष्ट रूप से नहीं देता।
- इस पर पड़ने वाली दृष्टियाँ: शनि और राहु इस पर दबाव डालते हैं।

निर्णय

शुक्र निर्बल है (30/100)। यहाँ इसके कारकत्व सहज नहीं मिलते, उन्हें बनाना पड़ता है, और इसकी दशाएँ ऐसी हैं जिनके अनुसार योजना बनानी चाहिए, न कि उनसे उपहारों की अपेक्षा करनी चाहिए।

शनि

राशि	धनु
भाव	12
अंश	25.4922
नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा
पद	4
बल	सम

वक्री	नहीं
अस्त	नहीं
नियम	1, 2
कारक	the Ayushkaraka, significator of longevity
दर्शाता है	अनुशासन, श्रम, आयु, विलंब और सहनशक्ति
साथी	—

द्वारा दृष्ट

ग्रह	दृष्टि	प्रकृति
मंगल	8th	Malefic

शक्ति	51
शक्ति सूचक	Workable

फलादेश

- शनि अनुशासन, श्रम, आयु, विलंब और सहनशक्ति का प्रतिनिधित्व करता है, और यह आयुष्कारक, आयु का कारक है। आपकी कुण्डली में यह धनु में, 12वें भाव में स्थित है।
- वहाँ यह बिना किसी विशेष सहायता या बाधा के है, तथा विस्तार-भाव और स्पष्टवादिता से कार्य करता है। यह क्या देता है, यह बहुत हद तक इसकी संगति और इसकी दशाओं पर निर्भर करता है।
- 12वें भाव वह स्थान है जहाँ यह ग्रह अपनी ऊर्जा लगाता है, इसलिए इसके अधीन विषय आप तक इन माध्यमों से पहुँचते हैं: व्यय, विदेश, एकांत, निद्रा और मुक्ति। यही वह व्यावहारिक माध्यम है जिस पर नज़र रखनी चाहिए।
- शनि आपके लिए 1ले और 2रे भाव का भी स्वामी है, जिससे यह आपके अपने व्यक्तित्व और धन के लिए उत्तरदायी बनता है। इसलिए ऊपर बताई गई इसकी स्थिति जितना इसके अपने बारे में बताती है, उतना ही उन क्षेत्रों के बारे में भी।
- इस पर पड़ने वाली दृष्टियाँ: मंगल इस पर दबाव डालता है।

निर्णय	शनि कार्यक्षम है (51/100)। जब इसकी दशाएँ चल रही होती हैं तब यह फल देता है, अन्यथा यह साधारण रहता है।

राहु

राशि	मकर
भाव	1
अंश	9.9383
नक्षत्र	उत्तराषाढ़ा
पद	4
बल	सम
वक्री	हाँ
अस्त	नहीं
नियम	—
कारक	एक छाया ग्रह, इच्छा का उत्तरी चन्द्र-पात
दर्शाता है	महत्वाकांक्षा, विदेशी वस्तुएँ, प्रौद्योगिकी और जुनून
साथी	—

द्वारा दृष्ट

ग्रह	दृष्टि	प्रकृति
गुरु	7th	शुभ ग्रह
केतु	7th	Malefic

शक्ति	63
शक्ति सूचक	Workable

फलादेश

- राहु महत्वाकांक्षा, विदेशी वस्तुएँ, प्रौद्योगिकी और जुनून का प्रतिनिधित्व करता है, और यह एक छाया ग्रह, इच्छा का उत्तरी चन्द्र-पात है। आपकी कुण्डली में यह मकर में, 1ले भाव में स्थित है।
- वहाँ यह बिना किसी विशेष सहायता या बाधा के है, तथा धैर्य और व्यावहारिकता से कार्य करता है। यह क्या देता है, यह बहुत हद तक इसकी संगति और इसकी दशाओं पर निर्भर करता है।
- 1ले भाव वह स्थान है जहाँ यह ग्रह अपनी ऊर्जा लगाता है, इसलिए इसके अधीन विषय आप तक इन माध्यमों से पहुँचते हैं: आपका अपना व्यक्तित्व — शरीर, व्यवहार और आपकी पहली छाप। यही वह व्यावहारिक माध्यम है जिस पर नज़र रखनी चाहिए।
- राहु किसी राशि का स्वामी नहीं है, इसलिए इसका अपना कोई भाव नहीं है जिसके लिए यह उत्तरदायी हो। यह उस भाव के फल देता है जिसमें यह स्थित है और उस ग्रह के भी जो उस राशि का स्वामी है — इसीलिए किसी पात-ग्रह (राहु/केतु) की स्थिति को इस आधार पर पढ़ा जाता है कि वह कहाँ स्थित है, न कि वह किसका स्वामी है।
- इस पर पड़ने वाली दृष्टियाँ: गुरु इसकी रक्षा करता है; केतु इस पर दबाव डालता है।

निर्णय	राहु कार्यक्षम है (63/100)। जब इसकी दशाएँ चल रही होती हैं तब यह फल देता है, अन्यथा यह साधारण रहता है।

केतु

राशि	कर्क
भाव	7
अंश	9.9383
नक्षत्र	पुष्य
पद	2
बल	सम
वक्री	हाँ
अस्त	नहीं
नियम	—
कारक	एक छाया ग्रह, त्याग का दक्षिणी चन्द्र-पात
दर्शाता है	वैराग्य, मोक्ष, शोध और आकस्मिक हानि
साथी	गुरु

द्वारा दृष्ट

ग्रह	दृष्टि	प्रकृति
राहु	7th	Malefic

शक्ति	63
शक्ति सूचक	Workable

फलादेश

- केतु वैराग्य, मोक्ष, शोध और आकस्मिक हानि का प्रतिनिधित्व करता है, और यह एक छाया ग्रह, त्याग का दक्षिणी चन्द्र-पात है। आपकी कुण्डली में यह कर्क में, 7वें भाव में स्थित है।
- वहाँ यह बिना किसी विशेष सहायता या बाधा के है, तथा संरक्षण-भाव और भावुकता से कार्य करता है। यह क्या देता है, यह बहुत हद तक इसकी संगति और इसकी दशाओं पर निर्भर करता है।
- 7वें भाव वह स्थान है जहाँ यह ग्रह अपनी ऊर्जा लगाता है, इसलिए इसके अधीन विषय आप तक इन माध्यमों से पहुँचते हैं: विवाह, साझेदारी, ग्राहक और जनसामान्य। यही वह व्यावहारिक माध्यम है जिस पर नज़र रखनी चाहिए।
- केतु किसी राशि का स्वामी नहीं है, इसलिए इसका अपना कोई भाव नहीं है जिसके लिए यह उत्तरदायी हो। यह उस भाव के फल देता है जिसमें यह स्थित है और उस ग्रह के भी जो उस राशि का स्वामी है — इसीलिए किसी पात-ग्रह (राहु/केतु) की स्थिति को इस आधार पर पढ़ा जाता है कि वह कहाँ स्थित है, न कि वह किसका स्वामी है।
- यह 7वें भाव को गुरु के साथ साझा करता है, इसलिए दोनों को साथ मिलाकर पढ़ा जाता है — यहाँ दोनों में से कोई भी अकेले अपने फल स्पष्ट रूप से नहीं देता।
- इस पर पड़ने वाली दृष्टियाँ: राहु इस पर दबाव डालता है।

निर्णय	केतु कार्यक्षम है (63/100)। जब इसकी दशाएँ चल रही होती हैं तब यह फल देता है, अन्यथा यह साधारण रहता है।

आपका ब्रांड यहाँ

yourbrand.example · hello@yourbrand.example · +91 00000 00000

इस दस्तावेज़ के बारे में

यह रिपोर्ट प्रदर्शित जन्म विवरणों से गणना की गई एक ज्योतिषीय व्याख्या है। यह शास्त्रीय और आधुनिक विधियों द्वारा कुंडली से पढ़ी गई प्रवृत्तियों का वर्णन करती है; यह निश्चित घटनाओं की भविष्यवाणी नहीं है, और यह चिकित्सा, कानूनी, वित्तीय या मनोवैज्ञानिक सलाह नहीं है।

प्रकृति: शास्त्रीय पाठ-आधारित फलादेश: योग, ग्रह फल, रत्न और रुद्राक्ष संबंधी पाठ इस कुण्डली के लिए शास्त्रीय परंपरा से उद्धृत हैं। इनमें आयु, रोग या उपचार संबंधी कथन चिकित्सीय सलाह नहीं हैं और न ही आयु या स्वास्थ्य की भविष्यवाणी हैं।

96Astro API द्वारा गणना की गई · classical-kundli-report · जॉब sample